रीवा
07 जुलाई 2026 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

महाराष्ट्र में 3 दिन से बारिश, रेलवे ट्रैक, एक्सप्रेस-वे बंद

लोगों को घर में रहने की सलाह; जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में लैंडस्लाइड, गाड़ियां दबीं

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना ,एजेंसी। देश के कई राज्यों में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। महाराष्ट्र में तीन दिन से लगातार बारिश हो रही है। मुंबई-पुणे रेल रूट पर करजत-लोनावला के भोर घाट सेक्शन में दो जगह लैंडस्लाइड हो गई। तीनों रेलवे लाइनें प्रभावित हो गई। 20 ट्रेनों को कैंसिल करना पड़ा।

उधर, मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर भी लैंडस्लाइड होने से रास्ता बंद हो गया। मुंबई में कल से 75 किमी./घंटा की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं, 142 पेड़ उखड़ गए। BMC ने आज सरकारी, प्राइवेट और नगर निगम के सभी स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी है। वहीं, मुंबई एयरपोर्ट पर 17 फ्लाइट रद्द हुई। लोगों से घर में रहने की अपील की गई है। मुंबई में प्राइवेट ऑफिसों के कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम करने को कहा गया है।

वहीं जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में भारी बारिश के बाद लैंडस्लाइड हो गई। 6-7 गाड़ियां मलबे में दब गई। मलबा हटाने का काम जारी है।

मुंबई एयरपोर्ट पर 17 फ्लाइट रद्द, 217 लेट हुईं... बारिश का असर मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर भी दिखा। रविवार रात 12 बजे से सोमवार सुबह 11:30 बजे के बीच 17 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। वहीं, आने और जाने वाली 217 उड़ानें तय समय से देरी से चलीं। इससे एयरपोर्ट पर यात्रियों को इंतजार करना पड़ा।

पुणे में लैंडस्लाइड, मलबे में दबने से 1 की मौत... महाराष्ट्र के पुणे जिले की मावल तहसील के पाटन गांव में सोमवार सुबह लैंडस्लाइड हो गया। पहाड़ी का मलबा एक घर पर गिरने से उसमें रहने वाला परिवार दब गया। अब तक एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि दो अन्य के मलबे में फंसे होने की आशंका है।

राम मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष बोले- चढ़ावा चोरी से आहत हूं: जिसने महापाप किया, उसे सजा मिलेगी

हाईकोर्ट से सीबीआई जांच की याचिका खारिज

अयोध्या,एजेंसी। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी पर राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास ने पहली बार बयान दिया है। उन्होंने सोमवार को लेटर जारी कर कहा- चोरी से मैं आहत हूं। जिसने भी यह पाप किया है, उसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

उन्होंने कहा- मुझे पीएम मोदी और सीएम योगी पर भरोसा है कि जो भी इस पाप से जुड़ा है, उसे कड़ी सजा दिलाएंगे। यह करोड़ों हिंदुओं की आस्था का प्रश्न है। कोई भी व्यक्ति अपने निजी लाभ के लिए राजनीति न करे।

चढ़ावा चोरी मामला सामने आने के बाद आज दोपहर 3 बजे ट्रस्ट की पहली बैठक होगी। इसमें ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा के इस्तीफे पर फैसला होगा। सूत्रों के मुताबिक, दोनों का इस्तीफा मंजूर होना तय है।

महंत नृत्य गोपाल दास के लेटर के बाद माना जा रहा था कि वह मीटिंग में शामिल नहीं होंगे। उन्होंने बताया-ट्रस्ट अध्यक्ष मीटिंग में शामिल होंगे। हालांकि, लेटर जारी करने की उन्हें कोई जानकारी नहीं है। इधर, इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने चढ़ावा चोरी की CBI जांच की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि इसी मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका पहले से लंबित है। लखनऊ के वकील मोहित अशोक ने 12 जून को याचिका दाखिल कर CBI से जांच की मांग की थी।

वक्फ बोर्ड में 2 हिंदू सदस्य, मुस्लिमों का प्रदर्शन

कहा-हमने कभी अयोध्या-मथुरा की कमेटियों में जगह नहीं मांगी

» सारंग बोले-धर्म के चश्मे से न देखें

भोपाल,एजेंसी। देश में पहली बार किसी राज्य के वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम (हिंदू) सदस्यों की नियुक्ति हुई है। मध्यप्रदेश सरकार ने वक्फ बोर्ड का पुनर्गठन कर इंदौर के मनोज मालपानी और गुना के राघौगढ़ निवासी अनिमेष भार्गव को सदस्य बनाया है। सनवर पटेल को दोबारा बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। बोर्ड में दो गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल किए जाने के विरोध में सोमवार को भोपाल के बुधवारा चौराहे पर ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के पदाधिकारी और सदस्य प्रदर्शन के लिए सड़क पर उतरे। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से निर्णय वापस लेने की मांग करते हुए कहा कि इससे मुस्लिम समाज की भावनाएं आहत हुई हैं।

'बोर्ड में गैर-मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति उचित नहीं'... ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के संरक्षक शमशुल हसन ने कहा कि वक्फ मुस्लिम समाज की धार्मिक और सामाजिक संस्था है, जहां लोग अपनी संपत्ति अल्लाह की रजा के लिए वक्फ करते हैं।

: ब्रीफ बॉस :

दिल्ली में नवविवाहिता की तीसरी मंजिल से गिरकर मौत

परिवार बोला- ये सुसाइड नहीं मर्डर है

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की लोधी कॉलोनी में एक नवविवाहिता की मौत के मामले में नए खुलासे हुए हैं। पुलिस के मुताबिक शनिवार को 28 साल की आकृति सुतार फ्लैट्स की तीसरी मंजिल से गिर गई थीं। अस्पताल में उनकी मौत हो गई। हालांकि परिवार इसे सुसाइड नहीं मर्डर बता रहा है।

परिवार ने बताया कि, शनिवार को आकृति न सिर्फ ऑफिस गई थीं, बल्कि उन्होंने अपने साथियों के लिए एक छोटी सी पार्टी भी दी थी। उनका कहना है कि यह डिप्रेशन का संकेत नहीं था।

इसके अलावा, आकृति ने शाम करीब 6 बजे अपनी मां से बात की थी और उस समय वह बिल्कुल सामान्य लग रही थीं। उन्होंने पार्टी के बारे में बात की और कहा कि वह घर लौट रही हैं। फिर तीन घंटे बाद कोई सुसाइड कैसे कर सकता है।

पीओके में पाकिस्तानी फोर्स ने लोगों पर गोलियां चलाई

पाकिस्तान सरकार के खिलाफ 40 हजार प्रदर्शनकारी जुटे थे

पीओके,एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) में रविवार को जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (JAAC) के शांतिपूर्ण प्रदर्शन रैली पर पाकिस्तानी फोर्स ने गोलियां चला दीं। ANI की रिपोर्ट के मुताबिक, JAAC ने दावा किया कि अब्बासपुर के सरदार गुलाम हुसैन खान स्पोर्ट्स स्टेडियम में करीब 40 हजार लोग जुटे थे।

संगठन का आरोप है कि डुडियाल के AMB इलाके में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने बिना उकसावे के गोलीबारी की, जिसमें कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए। हालांकि, घायलों की आधिकारिक संख्या या पाकिस्तान प्रशासन की ओर से इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

JAAC का कहना है कि यह प्रदर्शन इस्लामाबाद सरकार के खिलाफ है। साथ ही, यह आंदोलन JAAC के नेताओं और कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी, प्रशासनिक विफलताओं और बुनियादी अधिकारों की मांग को लेकर चल रहा है।

जगन्नाथ पुरी के राजा दिब्यसिंह की इस्कॉन से अपील इस्कोन

गलत समय पर रथयात्रा न निकालें

» मंदिर प्रशासन का दावा- भारत से बाहर 70 शहरों में मनमर्जी चलाई

भुवनेश्वर ,एजेंसी। पुरी के गजपति महाराज और श्रीजगन्नाथ मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष दिब्यसिंह देब ने इस्कॉन से अपील की है कि वह गलत समय पर रथयात्रा न निकाले। इस्कॉन यात्रा का आयोजन ऐसी तारीखों पर कर रहा है, जो शास्त्रों के अनुसार नहीं हैं। इससे भक्तों की भावनाएं आहत हो रही हैं। उन्होंने मायापुर में इस्कॉन की गवर्निंग बॉडी कमीशन के चेयरमैन मधुसेविता दास प्रभु के नाम लिखे पत्र में अक्टूबर 2025 में लिए उस फैसले पर दोबारा विचार करने कहा है, जिसके तहत विदेशों में अलग-अलग समय पर रथ यात्रा निकाली जा रही है।

एक दिन पहले ही केन्या की राजधानी नैरोबी में ISKCON ने रथयात्रा निकाली। 21 जून को लंदन में, 14 जून को न्यूयॉर्क सिटी में और 5 जुलाई को सिडनी में रथयात्रा निकाली गई। गौरतलब है कि इस साल, स्नान पूर्णिमा 29 जून को थी और मुख्य रथयात्रा 16 जुलाई को होगी। रथयात्रा हिंदू कैलेंडर के मुताबिक हमेशा आषाढ़ शुक्ल द्वितीया तिथि पर होती है।

इधर, पुरी में तीनों रथों के निर्माण का काम अंतिम चरण में पहुंच गया है। यहां बढ़ई, सहायक और पेंटर समेत करीब 220 कारीगर दिन-रात रथ तैयार करने में जुटे हैं।

अमरनाथ गुफा में शिवलिंग 90% गायब, ऊंचाई एक फीट बची

=3 दिन में 56000 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए= यह आंकड़ा पिछले साल से 18% ज्यादा

श्रीनगर,एजेंसी। अमरनाथ में बनने वाले पवित्र शिवलिंग का आकार एक फीट रह गया है। सोमवार को एक फीट के बाबा बर्फानी की फोटो सामने आई। 57 दिन चलने वाली यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी।

पिछले 3 दिनों में 56 हजार से ज्यादा तीर्थयात्री दर्शन कर चुके हैं। यह आंकड़ा पिछले साल से 18.6% ज्यादा रहा। 2025 में पहले तीन दिन में 47,972 श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे थे।

यात्रा के लिए इस साल 4 लाख श्रद्धालुओं ने रजिस्ट्रेशन कराया है।

23 मई को 7 फीट का था शिवलिंग: 23 मई को BSF के जवानों ने जो तस्वीर जारी की थी, उसमें शिवलिंग का आकार करीब 7 फीट था। 29 जून को पहली पूजा के दिन भी हिमलिंग की ऊंचाई 5 फीट से ज्यादा थी। 6 जुलाई को सामने आई तस्वीर में हिमलिंग लगभग 90% गायब हो चुका है। 48 किमी लंबे नुनवान-पहलगाम रूट और 14 किमी वाले छोटे, लेकिन कठिन बालटाल रूट से लगातार यात्री दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। यात्रा 28 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन खत्म होगी।

ऐसे में अगर कोई यात्री बिना रजिस्ट्रेशन बालटाल या पहलगाम रूट से आगे बढ़ने की कोशिश करेगा तो उसे चेक पॉइंट्स पर रोक दिया जाएगा। उसे 9 जुलाई के बाद ही आगे बढ़ने दिया जाएगा।

9 जुलाई तक रजिस्ट्रेशन स्लॉट बुक, प्रशासन बोला- नए यात्री कुछ दिन रुकें... जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने बिना रजिस्ट्रेशन करवाए अमरनाथ पहुंच रहे यात्रियों से कहा है कि वे अपनी यात्रा कुछ दिन के लिए टाल दें। प्रशासन के मुताबिक, 9 जुलाई तक सभी रजिस्ट्रेशन स्लॉट पूरी तरह भर चुके हैं।

झारसुगुड़ा में पति बाइक पर बांधकर लाया पत्नी का शव

परिजन का आरोप: स्वास्थ्य केंद्र ने घंटों इंतजार करवाया, न शव वाहन दिया, न एंबुलेंस

झारसुगुड़ा,एजेंसी। ओडिशा के झारसुगुड़ा में एक व्यक्ति पत्नी के शव को बाइक पर लाने मजबूर हो गया। लाइकेरा ब्लॉक के उडियापाली गांव में रहने वाले नरेश छत्रिया की पत्नी जमुना की मौत मुद्रजोरा

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हो गई थी। नरेश जमुना की तबीयत बिगड़ने पर उसे डॉक्टर के पास ले गया था। लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

नरेश ने शव को घर ले जाने के लिए एंबुलेंस मांगी, लेकिन काफी इंतजार के बाद भी उसे शव वाहन नहीं मिला।

मजबूरन नरेश, अपने पड़ोसी की बाइक पर पत्नी के शव को रखकर घर लेकर आया। मुंद्राजोर CHC से लेकर ओडियापाली गांव की दूरी लगभग 5 किमी है। शनिवार 4 जुलाई को हुए इस पूरे घटनाक्रम का एक वीडियो सामने आया है।

अब घर की रसोई में लौटेगी आयुर्वेद की पारंपरिक रेसिपी

एफएसएसएआई ने जारी किया स्वस्थ व्यंजन संग्रह

नई दिल्ली,एजेंसी। अगर आप स्वस्थ रहने के लिए आयुर्वेदिक खान-पान अपनाना चाहते हैं, लेकिन यह नहीं जानते कि कौन-सा भोजन कैसे बनाया जाए, तो अब यह काम आसान होने वाला है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने आयुर्वेद आहार व्यंजनों का संग्रह तैयार किया है। इसमें प्राचीन आयुर्वेदिक ग्रंथों में दी गई सैकड़ों पारंपरिक रेसिपी को आधुनिक और व्यवस्थित रूप में पेश किया गया है।

जारी की गई सूची में क्या? इस संग्रह में केवल भोजन पकाने का तरीका ही नहीं, बल्कि हर व्यंजन के साथ उसकी सामग्री, बनाने की विधि, आयुर्वेदिक गुण, लाभ और सावधानियों की भी जानकारी दी गई है। अब तक यह जानकारी अलग-अलग संस्कृत ग्रंथों में बिखरी हुई थी, जिसे समझना आम लोगों के लिए बहुत मुश्किल था। इसके अलावा चिकित्सक, छात्र और शोधकर्ता भी इसका बेहतर इस्तेमाल कर सकेंगे। संग्रह में केवल औषधीय पेय ही नहीं, बल्कि रोजमर्रा के कई प्रकार के व्यंजन शामिल हैं। इनमें दही आधारित रेसिपी, सत्तू के अलग-अलग प्रकार, चावल की पेज और दलिया, छाछ, जौ, दूध, तिल व अदरक जैसी सामान्य सामग्री से बनने वाले पकवान शामिल हैं।

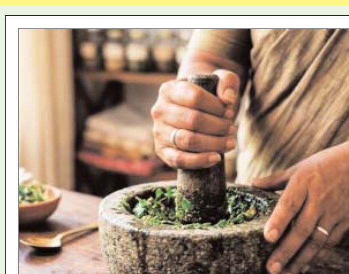

सामग्री की सटीक मात्रा का भी उल्लेख... किताब में स्पष्ट किया गया है कि कौन-सी सामग्री कितनी मात्रा में लेनी है। उदाहरण के लिए द्वितीय शिखरिणी नाम की रेसिपी में दही, शहद, घी, दालचीनी, इलायची और काली मिर्च का उपयोग बताया गया है। आयुर्वेद में इसे पाचन शक्ति बढ़ाने और पोषण देने वाला माना गया है। इसी तरह जौ और मसूर सत्तू की भी पूरी विधि दी गई है। सरकार का मकसद आयुर्वेदिक खान-पान को आधुनिक जीवनशैली से जोड़ना है, ताकि लोग केवल दवाओं पर निर्भर रहने के बजाय स्वस्थ भोजन की भारतीय परंपरा अपनाएं।

कांग्रेस में झगड़ा, सांसद रंधावा चन्नी के समर्थन में उतरे

● पंजाब प्रभारी के आने से पहले फोटो जारी की, इसमें प्रगट-गिलजियां भी ● प्रधान वड़िंग साथ नहीं

लुधियाना,एजेंसी। पंजाब कांग्रेस में पार्टी प्रभारी भूपेश बघेल के चंडीगढ़ पहुंचने से पहले टूट का खतरा और बढ़ गया है। कुछ दिन पहले अमित शाह से मिलकर लौटे गुरदासपुर से कांग्रेस के सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा पूर्व ष्टरू चरणजीत चन्नी के हक में उतर आए हैं। मोहाली में उन्होंने नेताओं के साथ मीटिंग की। जिसमें जालंधर कैंट के रूप्रगट सिंह व नए वर्किंग प्रधान संगत सिंह गिलजियां भी पहली बार चन्नी के साथ नजर आए। रंधावा और चन्नी ने अपने सोशल मीडिया पर इनके फोटो व वीडियो जारी किए हैं।

इनमें चन्नी के साथ सांसद रंधावा, विधायक बरिंदरमीत सिंह पाहड़ा, विधायक प्रगट सिंह, विधायक तृप्त राजिदंर सिंह बाजवा, संगत सिंह गिलजियां, पूर्व मंत्री भारत भूषण आशू और पूर्व विधायक कुशलदीप सिंह ढिल्लों समेत अन्य नेता नजर आ रहे हैं। कैप्शन में 'यूनिटी इज स्ट्रेंथ' लिखा है। इस फोटो में पार्टी के पंजाब प्रधान राजा वड़िंग नहीं है।

गुजरात में शेरनी का किसान पर हमला

हाथ जबड़े में आधे घंटे पकड़े रही, फिर छोड़ा; पहले एक और व्यक्ति पर भी हमले की कोशिश की

भावनगर,एजेंसी। गुजरात के भावनगर जिले के पालीताना तालुका में 6 जुलाई की सुबह शेरनी ने किसान पर हमला कर दियाा। हमले में किसान घायल हो गया। उसे इलाज के लिए पालीताना सरकारी अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक इलाज के बाद उसे भावनगर ले जाया गया। घटना गर्जिया गांव में सुबह 10:30 बजे की है। हमले का लाइव वीडियो वायरल है। शेरनी ने इसके पहले एक और व्यक्ति पर हमले की कोशिश की लेकिन उसने भाग कर खुद को घर में बंद कर लिया।

घायल किसान बोला- शेरनी ने मुझे करीब आधे घंटे तक पकड़े रखा: शेरनी के हमले में घायल किसान कालूभाई बोगभाई परमार ने बताया कि मैं सुबह 10:30 बजे अपनी गाय को चारा खिलाने जा रहा था। तभी झाड़ियों में बैठे शेरनी ने अचानक मुझ पर हमला कर दिया। पहले उसने मेरी पीठ पर वार किया और मुझे गिरा दिया, फिर उसने मेरा हाथ अपने मुंह में पकड़ लिया। उसने मुझे करीब आधे घंटे तक पकड़े रखा। मैंने अपनी रक्षा के लिए शेरनी को खरोंचा, जिससे उसने मेरा हाथ छोड़ दिया। मैं तुरंत वहां से भागा। इसके बाद शेरनी मेरी गाय के पीछे चली गई।

वीडियो में देखा जा सकता है कि शेरनी जमीन पर बैठी है और आदमी को दबाए हुए है। शेरनी ने आदमी के पैर पर काट लिया। आदमी अपनी जान बचाने के लिए संघर्ष कर रहा है। लोगों ने शेरनी पर पत्थर फेंके।

जम्मू कश्मीर में अगले सप्ताह तक बारिश का दौर जारी, भारी वर्षा की चेतावनी

जम्मू, एजेंसी। अगले कुछ दिनों तक मौसम का मिजाज बदलता रहेगा। गर्मी और उमस के बीच प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में रुक-रुक कर बारिश और गरज-चमक का दौर जारी रहने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञों ने विशेष रूप से 6 और 7 जुलाई को जम्मू संभाग के कुछ क्षेत्रों में भारी बारिश और अल्प अवधि की तीव्र वर्षा को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी है। पूर्वानुमान के अनुसार जम्मू संभाग के बिखरे हुए क्षेत्रों तथा कश्मीर संभाग के कुछ स्थानों पर देर रात और तड़के हल्की से मध्यम बारिश या गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। जम्मू और रियासी जिलों के कुछ इलाकों में तेज बारिश और गरज-चमक की संभावना भी बनी हुई है।

मौसम गर्म और उमस भरा रहेगा: 6 से 8 जुलाई के दौरान मौसम गर्म और उमस भरा रहेगा, लेकिन जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में एक या दो दौर की हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। जम्मू संभाग में विशेषकर देर दोपहरए शाम और देर रात के समय बारिश की गतिविधियां तेज हो सकती हैं। इस दौरान कुछ स्थानों पर भारी बारिश और तेज गरज-चमक भी देखने को मिल सकती है। 9 से 11 जुलाई के बीच भी प्रदेश में इसी तरह का मौसम बना रहने का अनुमान है।कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ इलाकों में तेज बौछारें और गरज-चमक हो सकती है। मौसम विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि 6 और 7 जुलाई को कुछ संवेदनशील क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण स्थानीय स्तर पर अचानक बाढ़, फ्लैश फ्लड, भूस्खलन और मलबा गिरने जैसी घटनाएं हो सकती हैं। लोगों से कहा गया है कि वे बारिश के दौरान नालों, बरसाती धाराओं और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहें।

● मौसम सामान्य से गर्म बना रहा

रविवार को जम्मू-कश्मीर के अधिकांश क्षेत्रों में मौसम सामान्य से गर्म बना रहा। जम्मू का अधिकतम तापमान 36.4 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 27.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।बनिहाल में अधिकतम तापमान 31.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 19.5 डिग्री सेल्सियस रहा। जबकि बटोत में अधिकतम 28.7 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम 19.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।माता वैष्णो देवी के आधार शिविर कटड़ा में अधिकतम तापमान 33.6 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 24.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। भद्रवाह का अधिकतम तापमान 30.5 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम 18.7 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, श्रीनगर में अधिकतम तापमान 34.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 19.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। काज़ीगुंड में अधिकतम तापमान 33.0 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम 17.0 डिग्री सेल्सियस रहा। पर्यटन स्थल पहलगाम में अधिकतम तापमान 28.9 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 13.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि गुलमर्ग में अधिकतम तापमान 25.4 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम 13.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। तापमान के इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि जम्मू संभाग के मैदानी क्षेत्रों में गर्मी का असर बना हुआ है, जबकि कश्मीर घाटी और ऊंचाई वाले इलाकों में मौसम अपेक्षाकृत सुहावना रहा।

दिल्ली में बदल जाएगी शराब नीति, सरकार ला रही कड़े नियम, महिलाओं की सुरक्षा होगी और मजबूत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति लागू करने के बाद नई आबकारी नीति को अंतिम रूप देने की तैयारी में है। सरकार का उद्देश्य ऐसी पारदर्शी और जवाबदेह आबकारी नीति लागू करना है, जिससे राजस्व में वृद्धि हो, अवैध कारोबार पर रोक लगे और दुकानों के आसपास से गुजरने पर खासकर महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित किया जा सके। इस संबंध में गठित समिति अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप चुकी है। रिपोर्ट के आधार पर विभिन्न पहलुओं पर जनता और संबंधित हितधारकों से सुझाव लिए जा रहे हैं, ताकि नई नीति को अधिक प्रभावी और व्यावहारिक बनाया जा सके।

राजस्व चोरी रोकने और महिला सुरक्षा पर रहेगा जोर: सूत्रों के अनुसार नई आबकारी नीति में राजस्व चोरी रोकने के लिए तकनीक आधारित निगरानी व्यवस्था को मजबूत

किया जाएगा। शराब की आपूर्ति श्रृंखला, स्टॉक और बिक्री पर डिजिटल मॉनिटरिंग बढ़ाने के साथ लाइसेंस प्रणाली में भी कई बदलाव किए जा सकते हैं। सरकार का मानना है कि इससे कर चोरी पर अंकुश लगेगा और आबकारी विभाग के राजस्व में बढ़ोतरी होगी। नई नीति का एक महत्वपूर्ण पहलू महिलाओं की सुरक्षा और सार्वजनिक सुविधा भी होगा।

सार्वजनिक अव्यवस्था पर भी होगी सख्ती

दुकानों के बाहर भीड़, सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन और अव्यवस्था रोकने के लिए सख्त प्रविधान किए जा सकते हैं। आवश्यकता पड़ने पर दुकानों के स्थान, संचालन व्यवस्था और सुरक्षा मानकों की भी समीक्षा की जाएगी। एक अधिकारी ने कहा कि नई आबकारी नीति केवल राजस्व बढ़ाने का माध्यम नहीं होगी, बल्कि इसे सामाजिक जिम्मेदारी और बेहतर प्रशासन के दृष्टिकोण से भी तैयार किया जा रहा है। विशेषज्ञों से प्राप्त सुझावों और समिति की सिफारिशों के आधार पर अंतिम मसौदे को मंजूरी के लिए कैबिनेट के समक्ष रखा जाएगा।

पंजाब कांग्रेस का डैमेज कंट्रोल चंडीगढ़ पहुंचेंगे भूपेश बघेल, चन्नी-वड़िंग विवाद सुलझाने की कोशिश

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब कांग्रेस में विधानसभा चुनाव से पहले उभरी अंदरूनी खींचतान को शांत करने के लिए पार्टी हाईकमान ने सक्रियता बढ़ा दी है। पंजाब मामलों के प्रभारी भूपेश बघेल सोमवार दोपहर तकरीबन 3 बजे चंडीगढ़ पहुंचेंगे। सूत्रों के अनुसार वह अगले करीब पांच दिनों तक पंजाब में रहकर पार्टी नेताओं से अलग-अलग बैठकें करेंगे और विधानसभा चुनाव की तैयारियों के साथ संगठनात्मक स्थिति की समीक्षा करेंगे। पंजाब विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर मैं पंजाब दौरे पर जा रहा हूं। चुनाव को लेकर कांग्रेस की ओर से कमेटियां गठित की जा चुकी हैं। यूथ कांग्रेस के चुनाव भी हो चुके हैं। पंजाब के सभी साथियों से

मिलकर चुनावी रणनीति पर चर्चा होगी। सूत्रों के मुताबिक, चुनाव समिति के गठन के बाद पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और उनके समर्थक नेताओं की नाराजगी के बीच हाईकमान डैमेज कंट्रोल में जुटा है। इसी क्रम में भूपेश बघेल सबसे पहले चन्नी और कुछ वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात करेंगे।

संगठन मजबूत करने पर हाईकमान का फोकस

बताया जा रहा है कि कांग्रेस नेतृत्व फिलहाल चुनाव समिति में किसी तरह के बदलाव के पक्ष में नहीं है। पार्टी का फोकस संगठन को एकजुट कर विधानसभा चुनाव की तैयारियों को गति देना है। इस बीच एआईसीसी के पंजाब के तीन सह प्रभारी हीना कावरे, रविंदर डलवी और सूरज ठाकुर भी चंडीगढ़ पहुंच रहे हैं। सभी नेता प्रदेश के मौजूदा राजनीतिक हालात और संगठन की स्थिति का फीडबैक लेंगे।

हाईकमान मतभेद दूर करने में जुटा: सूत्रों के अनुसार, प्रदेश अध्यक्ष राजा वड़िंग ने चुनावी रणनीति को लेकर नेताओं से वन-टू-वन मुलाकातों का दौर शुरू कर दिया है।

बंगाल चुनाव में निर्वाचन आयोग के विरुद्ध दर्ज हुए सौ से अधिक मामले

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल में हाल में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान निर्वाचन आयोग (ईसी) के खिलाफ कलकत्ता हाई कोर्ट में 110 याचिकाएं दायर की गईं, लेकिन कोर्ट ने आयोग के सभी फैसलों को सही ठहराया। इस अहम राज्य में अप्रैल में दो चरणों में चुनाव हुए थे, जिसमें भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के शासन को खत्म किया और पहली बार सरकार बनाई। चुनाव में तृणमूल और निर्वाचन आयोग के बीच तनातनी बनी रही।

आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि 15 मार्च को चुनावों की घोषणा से लेकर पूरी प्रक्रिया खत्म होने तक चुनाव आयोग और उसके फैसलों के खिलाफ कुल 110 मामले दर्ज किए गए। अधिकारी ने कहा कि इनमें से किसी भी मामले में चुनाव आयोग के खिलाफ कोई प्रतिकूल आदेश नहीं आया। इस चुनाव के दौरान चुनाव आयोग को कड़ी जांच, कानूनी चुनौतियों और आलोचनाओं का सामना करना पड़ा।

खासकर राज्य की तत्कालीन सत्ताधारी पार्टी तृणमूल की ओर से। विपदलों ने चुनाव आयोग पर भाजपा की मदद के लिए पक्षपाती चुनाव कराने का आरोप लगाया था।

खामेनेई की अंतिम विदाई समारोह में भारत की मौजूदगी पर ईरान ने जताया आभारे

तेहरान, एजेंसी। ईरान दूतावास ने रविवार को पूर्व ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के अंतिम विदाई समारोह में भाग लेने के लिए भारत सरकार और लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। ईरान ने कहा कि यह भाव दोनों देशों के बीच गहरे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और मानवीय संबंधों को दिखाता है। ईरानी दूतावास ने क्या कहा ईरानी दूतावास ने एक्स पर लिखा,'भारत गणराज्य में स्थित इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान का दूतावास भारत की मित्रवत सरकार और जनता, विशेष रूप से भारत सरकार और जनता की ओर से उपस्थित आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल के प्रति हार्दिक आभार और प्रशंसा व्यक्त करता है। जिन्होंने इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के शहीद नेता, महामहिम अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के अंतिम विदाई समारोह में भाग लिया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।'

ईरान के लोग क्या नहीं भूलेंगे: भारत की भागीदारी की सराहना करते हुए दूतावास ने कहा, ईरान के लोग मित्रता, करुणा और हार्दिक सम्मान के इस भाव को कभी नहीं भूलेंगे।

वे इसे इस्लामी गणराज्य ईरान और भारत गणराज्य के बीच अटूट संबंधों का एक अनमोल प्रमाण और हमारे दोनों देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही मित्रता को और मजबूत करने के लिए एक अहम आधार मानते हैं।' पोस्ट में आगे कहा गया कि भारत में स्थित इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान का दूतावास एक बार फिर उन सभी भारतीय अधिकारियों, प्रतिष्ठित व्यक्तियों और भारत के नेक लोगों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है, जो इस दुख की घड़ी में ईरान के लोगों के साथ खड़े रहे और उनके प्रति सहानुभूति व्यक्त की।'

भारत की ओर से कौन शामिल हुआ: विदेश मामलों की राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा और बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन ने तेहरान में आयोजित अंतिम विदाई समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व किया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद, जो अंतिम संस्कार में भी शामिल हुए थे। उन्होंने खामेनेई को श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं, जम्मू और कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती, जो अंतिम संस्कार में शामिल हुईं, उन्होंने भी ईरान के साथ एकजुटता व्यक्त की। महबूबा मुफ्ती ने क्या कहा उन्होंने एक्स पोस्ट में कहा 'तेहरान से विदा लेते समय, इस गहरे दुख और शोक की घड़ी में मेरी संवेदनाएं वहां के साहसी नेतृत्व और जुझारू जनता के साथ हैं। हम हमेशा आपके साथ खड़े रहेंगे। ईरानी सरकार का हार्दिक आभार, जिन्होंने इतनी उदारता और गर्मजोशी से मेरा स्वागत किया। यहां आना मेरे लिए सम्मान की बात है।

हिमाचल के सेब उत्पादन पर मौसम की मार, 2.63 लाख मीट्रिक टन घट सकती है प्रोडक्शन, विशेषज्ञों की क्या है सलाह

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में इस बार बेमौसमी बारिश और ओलावृष्टि ने सेब सहित गुठलीदार फलों की फसल को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। मौसम की बेरुखी का असर अब प्रदेश के संभावित फल उत्पादन के आंकड़ों में भी दिखाई देने लगा है। पिछले वर्ष 2024-25 में प्रदेश में 6.99 लाख मीट्रिक टन सेब उत्पादन हुआ था, जबकि इस बार इसके घटकर करीब 4.36 लाख मीट्रिक टन रहने का अनुमान है। यानी पिछले वर्ष की तुलना में करीब 2.63 लाख मीट्रिक टन कम सेब उत्पादन हो सकता है। करीब पांच हजार करोड़ रुपये की सेब अर्थव्यवस्था वाले प्रदेश में उत्पादन में संभावित बड़ी गिरावट ने बागवानों की चिंता बढ़ा दी है।

मौसम ने पहुंचाया सीधे नुकसान: प्रदेश के बागवानों का कहना है कि इस बार मौसम ने शुरुआत से ही साथ नहीं दिया। बेमौसमी बारिश और ओलावृष्टि के कारण कई क्षेत्रों में फसल को सीधा नुकसान पहुंचा, जबकि गुठलीदार फलों की पैदावार भी प्रभावित हुई है।

उत्पादन लागत बढ़ी: दूसरी ओर कीटनाशकों, फफूंदनाशकों और बागवानी में इस्तेमाल होने वाले मशीनी उपकरणों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। इससे उत्पादन लागत बढ़ गई है, लेकिन कम फसल के कारण आमदनी घटने की आशंका है। बागवानों के अनुसार अब परिवार का खर्च चलाना तक मुश्किल हो रहा है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि सिंचाई सुविधाएं प्रत्येक बागवान तक पहुंचाई जाएं और फसल बीमा योजना की जानकारी जमीनी स्तर तक दी जाए।

सेब सहित गुठलीदार फलों का उत्पादन भी कम: बागवानी विभाग का कहना है कि हिमाचल को फल राज्य के रूप में जाना जाता है। प्रदेश में करीब 2.37 लाख हेक्टेयर भूमि पर फलों की खेती होती है, इसमें लगभग 49 प्रतिशत क्षेत्र सेब के अधीन है और करीब 1.16 लाख हेक्टेयर भूमि पर सेब की खेती की जा रही है। प्रदेश के करीब साढ़े चार लाख बागवान प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सेब बागवानी से जुड़े हैं। विभाग के प्रारंभिक अनुमान के अनुसार इस बार सेब उत्पादन करीब 4.36 लाख मीट्रिक टन रह सकता है। गुठलीदार फलों का उत्पादन भी पिछले वर्ष की तुलना में कम है। हालांकि बाजार में इनके दाम बेहतर मिल रहे हैं, लेकिन कम पैदावार के कारण बागवानों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। वैश्विक तापमान वृद्धि और जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में बदलाव बागवानी के लिए चुनौती बन रहा है। विभाग बागवानों को अधिक घनत्व वाली बागवानी अपनाने और उच्च गुणवत्ता वाली किस्मों के पौधे लगाने की सलाह दे रहा है। साथ ही बागवानों से फसल बीमा करवाने का भी आग्रह किया गया है, ताकि प्राकृतिक आपदा से होने वाले नुकसान की स्थिति में कुछ आर्थिक सुरक्षा मिल सके।

न्यूयॉर्क के कोनी आइलैंड में अंधाधुंध फायरिंग, चार बच्चों समेत आठ घायल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में गोलीबारी की एक बड़ी घटना हुई है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रुकलिन के कोनी आइलैंड इलाके में चार जुलाई की एक पार्टी चल रही थी। इसी दौरान एक बंदूकधारी ने फायरिंग कर दी। इस घटना में चार बच्चों समेत कम से कम आठ लोग घायल हो गए। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग ने इसकी जानकारी दी।

कैसे हुई घटना: सीएनएन के मुताबिक, यह घटना शनिवार रात करीब 10:35 बजे हुई। काले कपड़े और काले रंग का स्की मास्क पहने एक अज्ञात व्यक्ति वहां आया। वह सर्फ एवेन्यू के पास बाड़ के करीब पहुंचा। इसके बाद उसने घर के आंगन में कई राउंड गोलियां चलाईं। वहां एक परिवार जश्न मना रहा था। गोली चलाने के बाद हमलावर पैदल ही वहीं से फरार हो गया। एनवाईपीडी कमिश्नर जेसिका टिश ने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची। वहां आठ लोगों को गोली लगी थी। घायलों में 6, 7, 12 और 14 साल के चार लड़के शामिल हैं। इसके अलावा 21 और 25 साल की दो महिलाएं और 33 और 37 साल के दो पुरुष भी घायल हुए हैं। पुलिस ने बताया कि 21 साल की महिला और 33 साल के पुरुष की छाती में गोली लगी है। छह साल के बच्चे के पेट में गोली

लगी है। बाकी तीन बड़े लड़कों के पैर या जांघ में गोली लगी है। 21 साल की महिला की हालत गंभीर है। बाकी सात लोगों की हालत स्थिर है।

क्या बोले न्यूयॉर्क के मेयर: न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने इस घटना की निंदा की। उन्होंने कहा कि शहर में ऐसी हिंसा की कोई जगह नहीं है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने शहर को सुरक्षित बनाने का वादा किया। अधिकारियों ने अभी तक घायलों की पहचान नहीं बताई है। हमले का कारण भी साफ नहीं है। कमिश्नर टिश ने कहा कि गोलीबारी से पहले किसी बहस का कोई संकेत नहीं मिला है। हालांकि, पिछले हफ्ते इसी ब्लॉक में गैंगवार में एक हत्या हुई थी। जांचकर्ता दोनों घटनाओं के बीच संबंध तलाश रहे हैं। मौके से एक टीईसी-9 स्टाइल की बंदूक, एक बड़ी मैगजीन और 10 खाली खोखे मिले हैं। अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

ब्रुकलिन में ही हुई एक और घटना

सीएनएन के अनुसार, रविवार सुबह 4 बजे के तुरंत बाद क्राउन हाइट्स इलाके में एक 18 साल का हथियारबंद युवक पुलिस की बिना निशान वाली गाड़ी के पास आया। उसने फायरिंग कर दी, जिससे एक एनवाईपीडी जासूस को गोली लग गई। मेयर ने बताया कि गोली जासूस की बुलेटप्रूफ जैकेट के पिछले हिस्से में लगी। इससे उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई। वह अधिकारी शनिवार दोपहर से 12 घंटे की शिफ्ट पर काम कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि एक अन्य अधिकारी के चेहरे और कंधे पर चोटें आई हैं।

नाटो की बैठक से पहले रूस का युक्रेन पर बड़ा हमला, मिसाइल-ड्रोन अटैक में सात लोगों की मौत

मॉस्को, एजेंसी। नाटो शिखर बैठक से ठीक पहले रूस ने युक्रेन की राजधानी कीव और उसके आसपास के इलाकों पर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। इस हमले में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जबकि दो दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। कई रिहायशी इमारतों को नुकसान पहुंचा है और मलबे में लोगों के फंसे होने की आशंका के बीच राहत एवं बचाव अभियान जारी है। यूक्रेन की वायुसेना के अनुसार, रूस ने एक साथ कई तरह के हथियारों का इस्तेमाल किया। कीव के मेयर विताली क्लिचको ने बताया कि शहर के कम से कम दो जिलों में मलबा गिरने से आग लग गई और नुकसान हुआ है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी। हालांकि शुरुआती जानकारी में किसी नए बड़े जनहानि के आंकड़े जारी नहीं किए गए। इससे पहले भी पिछले सप्ताह रूस ने कीव पर बड़ा हमला किया था, जिसमें कम से कम 30 लोगों की मौत हुई थी। जेलेंस्की ने पहले ही बड़े हमले की चेतावनी क्यों दी थी यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रविवार को कहा था कि खुफिया एजेंसियों को जानकारी

मिली है कि रूस एक बड़े हमले की तैयारी कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस और नाटो शिखर सम्मेलन से पहले दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाना और लोगों की जान लेना है। उनके इस बयान के कुछ घंटे बाद ही कीव पर बड़ा हमला हो गया।

नाटो शिखर सम्मेलन से पहले यह हमला कितना अहम: यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब मंगलवार से तुर्किये की राजधानी अंकारा में नाटो शिखर सम्मेलन शुरू होना है। सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत कई सदस्य देशों के नेता शामिल होंगे। माना जा रहा है कि बैठक में यूक्रेन युद्ध, यूरोप की सुरक्षा और रूस के खिलाफ आगे की रणनीति प्रमुख मुद्दे होंगे। ऐसे समय में कीव पर हमला रूस की ओर से एक रणनीतिक संदेश के तौर पर भी देखा जा रहा है। रूस और यूक्रेन के बीच जंग किस दिशा में बढ़ रही रूस पूर्वी यूक्रेन के दोनेत्स्क क्षेत्र में अधिक से अधिक इलाकों पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है। वहीं यूक्रेन भी रूस के भीतर तेल रिफाइनरी, बंदरगाहों और सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले तेज कर चुका है। इससे दोनों देशों के बीच संघर्ष और अधिक व्यापक होता जा रहा है। पिछले कुछ सप्ताह में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के रणनीतिक ठिकानों को लगातार निशाना बनाया है।

क्या ट्रंप और पुतिन की बातचीत का असर दिखेगा: चार जुलाई को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच करीब 90 मिनट तक फोन पर बातचीत हुई थी। रूस के विदेश मंत्रालय के अनुसार, ट्रंप ने एक बार फिर यूक्रेन युद्ध को समाप्त कराने में मदद की पेशकश की थी। हालांकि बातचीत के कुछ ही दिनों बाद कीव पर हुए ताजा हमले ने संकेत दिया है कि फिलहाल युद्ध थमता नहीं दिख रहा है। अब सभी की नजर नाटो शिखर सम्मेलन पर रहेगी, जहां यूक्रेन संकट को लेकर आगे की रणनीति और सहयोग पर अहम फैसले लिए जा सकते हैं।

रीवा में डिजिटल इंडिया की खुली पोल ! पंजीयक कार्यालय व कलेक्ट्रेट का सर्वर घंटों ठप, धूप में परेशान होते रहे सैकड़ों

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में सोमवार को डिजिटल इंडिया की व्यवस्थाओं की बड़ी खामी सामने आई जब जिला पंजीयक कार्यालय और कलेक्ट्रेट से जुड़ी ऑनलाइन सेवाओं का सर्वर घंटों तक ठप रहा। तकनीकी खराबी के कारण दस्तावेजों का पंजीयन, रजिस्ट्री, नामांतरण, प्रमाण पत्र जारी करने सहित कई महत्वपूर्ण ऑनलाइन सेवाएं पूरी तरह प्रभावित हो गईं इस दौरान दूर-दराज़ से आए सैकड़ों नागरिकों को घंटों तक कार्यालयों में इंतजार करना पड़ा जबकि भीषण गर्मी और उमस ने उनकी परेशानी और बढ़ा दी। सुबह से ही पंजीयक कार्यालय में बड़ी संख्या में लोग अपने दस्तावेजों के पंजीयन और रजिस्ट्री के लिए निर्धारित समय पर पहुंचे थे लेकिन सर्वर में आई तकनीकी समस्या के चलते ऑनलाइन प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी जैसे-जैसे समय बीतता गया कार्यालय परिसर में भीड़ लगातार बढ़ती गई और लोगों का धैर्य जवाब देने लगा कई नागरिकों ने बताया कि वे ग्रामीण क्षेत्रों से किराया खर्च कर रीवा पहुंचे थे लेकिन पूरे दिन इंतजार करने के बाद भी उनका काम नहीं हो सका।

इसी तरह कलेक्ट्रेट से जुड़ी कई ऑनलाइन सेवाएं भी पूरी तरह बाधित रहीं राजस्व विभाग से संबंधित कार्य, नामांतरण, ऑनलाइन आवेदन, प्रमाण पत्र जारी करने जैसी सेवाओं पर भी असर पड़ा इस दौरान लोगों को बार-बार संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों से जानकारी लेनी पड़ी लेकिन लंबे समय तक स्पष्ट जवाब नहीं मिल सका कि सेवाएं कब तक सामान्य होंगी। परेशान नागरिकों का कहना है कि सरकार द्वारा डिजिटल इंडिया के तहत सेवाओं को ऑनलाइन किया गया है ताकि लोगों को त्वरित और पारदर्शी सुविधा मिल सके, लेकिन बार-बार सर्वर ठप होने से आम जनता को उल्टा परेशान होना पड़ रहा है। उनका कहना है कि पहले मैनुअल व्यवस्था में काम भले धीमा होता था लेकिन अधिकांश कार्य समय पर पूरा हो जाता था अब तकनीकी निर्भरता बढ़ने के साथ सर्वर डाउन जैसी समस्याएं आम लोगों के लिए बड़ी बाधा बन गई हैं। कई नागरिकों ने यह भी सवाल उठाया कि यदि डिजिटल सेवाओं के लिए पर्याप्त तकनीकी ढांचा और बैकअप व्यवस्था नहीं है तो ऐसी समस्याएं बार-बार क्यों सामने आ रही हैं लोगों ने मांग की कि सर्वर बंद होने की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था तैयार की जाए ताकि आवश्यक सेवाएं पूरी तरह बाधित न हों और लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े मामले पर संबंधित अधिकारियों ने बताया कि सर्वर में तकनीकी खराबी आ गई थी जिसके कारण ऑनलाइन सेवाएं प्रभावित हुईं उन्होंने कहा कि तकनीकी टीम द्वारा समस्या को ठीक करने का प्रयास किया जा रहा है और सेवाओं को जल्द सामान्य करने की कोशिश की जा रही है। हालांकि लंबे समय तक सेवाएं बाधित रहने से कार्यालयों में भीड़ और नागरिकों की नाराजगी बनी रही विशेषज्ञों का मानना है कि डिजिटल शासन की सफलता के लिए मजबूत सर्वर प्रणाली, नियमित तकनीकी निगरानी, डेटा बैकअप और आपातकालीन विकल्पों की उपलब्धता अत्यंत आवश्यक है बिना मजबूत तकनीकी आधार के डिजिटल सेवाओं का संचालन आम जनता के लिए परेशानी का कारण बन सकता है। रीवा में हुई यह घटना एक बार फिर इस बात की ओर संकेत करती है कि डिजिटल इंडिया की अवधारणा को सफल बनाने के लिए केवल ऑनलाइन सिस्टम लागू करना पर्याप्त नहीं है बल्कि उसकी निरंतरता, विश्वसनीयता और तकनीकी मजबूती सुनिश्चित करना भी उतना ही जरूरी है जब तक यह व्यवस्था मजबूत नहीं होती तब तक आम नागरिकों को इस तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता रहेगा।

सीधी कन्या महाविद्यालय में नवप्रवेशित छात्राओं का इंडक्शन कार्यक्रम, सुरक्षित व रैगिंग मुक्त वातावरण पर जोर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी में नेशनल टास्क फोर्स समिति के तत्वावधान में नवप्रवेशित छात्राओं के लिए इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को महाविद्यालय के सुरक्षित, समावेशी एवं सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण से परिचित कराना तथा उनके सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास को प्रोत्साहित करना था कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओ.पी. नामदेव ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि महाविद्यालय केवल उच्च शिक्षा का केंद्र नहीं है बल्कि यह विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण, आत्मविश्वास के विकास और जीवन मूल्यों के संवर्धन का सशक्त मंच भी है उन्होंने कहा कि संस्थान का प्रयास है कि प्रत्येक नवप्रवेशित छात्रा एक सुरक्षित, सम्मानजनक और रैगिंग मुक्त वातावरण में अपनी शैक्षणिक यात्रा प्रारंभ करे मुख्य वक्ता डॉ. ज्योति मिश्रा ने छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक सशक्तिकरण और सकारात्मक जीवन दृष्टि के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य का अर्थ केवल मानसिक बीमारी का अभाव नहीं है बल्कि यह भावनात्मक और सामाजिक रूप से संतुलित जीवन जीने की क्षमता भी है उन्होंने छात्राओं को तनाव प्रबंधन, आत्मविश्वास बढ़ाने और जरूरत पड़ने पर परामर्श लेने के लिए प्रेरित किया कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को एंटी रैगिंग नियमों, कानूनी प्रावधानों और रैगिंग के दुष्परिणामों की जानकारी भी दी गई साथ ही महाविद्यालय परिसर को पूर्णतः रैगिंग मुक्त बनाए रखने का संकल्प दिलाया गया छात्राओं को काउंसलिंग व्यवस्था, शिकायत निवारण तंत्र, महिला प्रकोष्ठ, एंटी रैगिंग समिति एवं अन्य सहायता प्रकोष्ठों की कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया ताकि वे आवश्यकता पड़ने पर बिना किसी संकोच के इन सुविधाओं का लाभ ले सकें कार्यक्रम के अंत में संयोजक डॉ. देवेंद्र कुमार सोनी ने सभी अतिथियों, प्राध्यापकों एवं छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

तरक्की से जलन में दो दोस्तों ने की सिक्योरिटी गार्ड की हत्या, रीवा पुलिस ने किया खुलासा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सिटी कोतवाली पुलिस ने सिक्योरिटी गार्ड की हत्या के सनसनीखेज मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है पुलिस के अनुसार मृतक के ही दो दोस्तों ने उसकी तरक्की और कंपनी में बढ़ते प्रभाव से जलन के चलते उसकी हत्या की साजिश रची थी बाद में उसे उत्तर प्रदेश के जंगल में ले जाकर गला घोंटकर मौत के घाट उतार दिया गया।

जानकारी के अनुसार सिटी कोतवाली क्षेत्र के निपानिया मोहल्ला निवासी अनूप सेन सिक्योरिटी गार्ड के रूप में कार्यरत था वह 18 मई को अचानक लापता हो गया था, जिसके बाद परिजनों की शिकायत पर गुमशुदगी दर्ज की गई पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों में तलाश अभियान शुरू किया। इसी दौरान उत्तर प्रदेश के महुरिया जंगल में एक नर कंकाल मिलने की सूचना मिली जांच और पहचान के बाद उसकी पुष्टि अनूप सेन के रूप में हुई। पुलिस जांच में सामने आया कि हत्या की साजिश अनूप के दो दोस्तों यशवंत चतुर्वेदी (निवासी नीरी, उत्तर प्रदेश) और पंकज शुक्ला (निवासी इटमा, उत्तर प्रदेश) ने मिलकर रची थी दोनों आरोपी आपस में जीजा-साले बताए जा रहे हैं। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि तीनों एक ही कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड का काम करते थे लेकिन अनूप की कंपनी में पकड़ मजबूत हो गई थी और वह गार्ड उपलब्ध कराने के कार्य में भी सक्रिय हो गया था।

सीधी में SDRF का आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण, 40 स्वयंसेवकों को आग और गैस रिसाव से बचाव के गुर सिखाए गए

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के होमगार्ड कार्यालय में सोमवार सुबह राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (स्ठ्क्रत्र) द्वारा आपदा प्रबंधन एवं राहत-बचाव से संबंधित विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया लगभग तीन घंटे चले इस कार्यक्रम में करीब 40 स्वयंसेवकों को आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित, सुरक्षित और प्रभावी ढंग से कार्य करने की तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्लाटून कमांडर मयंक तिवारी के नेतृत्व में आयोजित इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य स्वयंसेवकों को आगजनी, गैस रिसाव, घरेलू दुर्घटनाओं और अन्य आपदा स्थितियों में सही निर्णय लेने और राहत कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए तैयार करना था। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने बताया कि आपदा की स्थिति में घबराहट सबसे बड़ी बाधा होती इसलिए पहले मानसिक रूप से शांत रहकर स्थिति का आकलन करना आवश्यक है इसके बाद ही सुरक्षित तरीके से राहत कार्य शुरू करना चाहिए कार्यक्रम में विशेष रूप से रसोई गैस सिलेंडर में रिसाव और आग लगने की स्थिति में अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों पर विस्तार से जानकारी दी गई। स्वयंसेवकों को बताया गया कि ऐसे मामलों में सही तकनीक और उपकरणों का उपयोग करके बड़ी दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है इसके साथ ही आग बुझाने वाले प्राथमिक उपकरणों के उपयोग का व्यावहारिक अभ्यास भी कराया गया जिससे प्रतिभागियों को वास्तविक परिस्थितियों में कार्य करने का अनुभव मिल सके।

प्रशिक्षण में यह भी स्पष्ट किया गया कि किसी भी आपात स्थिति में बिना सुरक्षा उपकरणों के घटनास्थल के अंदर जाना अत्यंत खतरनाक हो सकता हाल ही में एक दो मंजिला मकान में लगी भीषण आग की घटना का उदाहरण देते हुए बताया गया कि बिना सुरक्षा साधनों के बचाव कार्य में जोखिम कई गुना बढ़ जाता है। स्वयंसेवकों को यह भी सिखाया गया कि आपदा की स्थिति में लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना, प्रभावित क्षेत्र को खाली कराना, भीड़ को नियंत्रित करना और राहत एवं बचाव एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित करना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारियों में शामिल है। कार्यक्रम में प्रतिभागी स्वयंसेवक सातिवारी सहित सभी उपस्थित लोगों ने व्यावहारिक अभ्यास में भाग लिया और विभिन्न आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तकनीकों को सीखा।

आकाशीय बिजली से झुलसी महिला को खाट पर ढोकर पहुंचाया अस्पताल

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के सरई रेंज स्थित महरैल जंगल में सोमवार को आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला गंभीर रूप से झुलस गई। घटना के बाद ग्रामीणों ने तत्काल एंबुलेंस और डायल-112 को सूचना दी लेकिन गांव तक जाने वाला मार्ग बंद होने के कारण कोई भी आपातकालीन वाहन मौके तक नहीं पहुंच सका मजबूरी में ग्रामीणों ने घायल महिला को खाट पर लादकर करीब दो किलोमीटर पैदल मुख्य सड़क तक पहुंचाया जहां से वाहन की व्यवस्था कर उसे अस्पताल भेजा गया। जानकारी के अनुसार घायल महिला की पहचान शकुंतला बाई के रूप में हुई है आकाशीय बिजली की चपेट में आने के बाद उनकी हालत गंभीर हो गई। ग्रामीणों ने तत्काल राहत और बचाव के लिए प्रशासन से संपर्क किया लेकिन वन विभाग द्वारा मार्ग बंद किए जाने के कारण एंबुलेंस गांव तक नहीं पहुंच सकी इसके बाद ग्रामीणों ने खाट और बांस-बल्ली की सहायता से अस्थायी स्ट्रेचर तैयार किया और महिला को कंधों पर उठाकर मुख्य सड़क तक ले गए घटना का वीडियो भी सामने आया है जिसमें ग्रामीण कठिन रास्ते से महिला को खाट पर ले जाते हुए दिखाई दे रहे हैं स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि गांव तक सड़क खुली होती तो घायल महिला को समय पर चिकित्सीय सहायता मिल सकती थी ग्रामीणों का आरोप है कि करीब तीन महीने पहले उन्होंने वन विभाग से आपातकालीन सेवाओं के लिए रास्ता खोलने की मांग की थी उनका कहना है कि यही मार्ग गांव के सैकड़ों लोगों के आने-जाने का एकमात्र रास्ता है लेकिन विभाग ने इसे बंद कर दिया और कोई वैकल्पिक मार्ग भी उपलब्ध नहीं कराया इसके कारण एंबुलेंस, पुलिस और अन्य आपातकालीन सेवाएं गांव तक नहीं पहुंच पातीं, जिससे लोगों की जान हमेशा जोखिम में रहती है । पर उपवन मंडल अधिकारी एन.के. त्रिपाठी ने कहा कि बिना वैकल्पिक व्यवस्था के मुख्य मार्ग बंद करना संभव नहीं है। उन्होंने पूरे मामले की जांच कराने का आश्वासन देते हुए कहा कि यदि वास्तव में कोई दूसरा रास्ता उपलब्ध नहीं है तो ग्रामीणों की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्था की जाएगी घटना के बाद ग्रामीणों में नाराजगी है। उन्होंने प्रशासन से बंद मार्ग को तत्काल खोलने और भविष्य में आपातकालीन परिस्थितियों के लिए स्थायी समाधान सुनिश्चित करने की मांग की है ग्रामीणों का कहना है कि सड़क जैसी बुनियादी सुविधा के अभाव में किसी भी आपदा या दुर्घटना की स्थिति में लोगों की जान खतरे में पड़ सकती है इस घटना ने दूरस्थ वन क्षेत्रों में आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता और बुनियादी संपर्क मार्गों की स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सीधी में समय-सीमा समीक्षा बैठक : सीएम हेल्पलाइन, कृषि, स्वास्थ्य और शिक्षा पर कलेक्टर सख्त, बोले- शासन की प्राथमिकताओं पर समयबद्ध करें काम

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा की अध्यक्षता में सोमवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई बैठक में शासन की प्राथमिकताओं, जनहित से जुड़े मामलों, विभागीय योजनाओं तथा लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही पूर्ण हो चुकी है, इसलिए प्रत्येक विभाग अपने कार्यों की समीक्षा कर आगामी तिमाही के लिए स्पष्ट कार्ययोजना तैयार करे और समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करे। बैठक में कलेक्टर ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के त्वरित एवं संतोषजनक निराकरण पर विशेष जोर दिया उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए साथ ही लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत अधिसूचित सेवाओं का निर्धारित समय-सीमा में प्रदाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए उन्होंने स्पष्ट किया कि समय-सीमा का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी विधानसभा प्रश्नों के उत्तर भी समय पर भेजने के निर्देश दिए गए। मानसून को देखते हुए कृषि विभाग को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश देते हुए कलेक्टर ने कहा कि किसानों तक मौसम आधारित कृषि सलाह समय पर पहुंचाई जाए ताकि वे बोवनी और फसल प्रबंधन संबंधी निर्णय सही समय पर ले सकें उन्होंने नकली अथवा घटिया गुणवत्ता के बीज एवं उर्वरकों की बिक्री पाए जाने पर तत्काल एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए साथ ही उर्वरक वितरण में कालाबाजारी, अनियमितता अथवा किसानों के साथ किसी भी प्रकार के भेदभाव पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान वर्षा ऋतु में जलजनित एवं संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिए सभी पेयजल स्रोतों की नियमित सफाई, क्लोरीनेशन और स्वास्थ्य संस्थानों में दवाओं व आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग को समन्वय के साथ कार्य करने के लिए कहा गया।

हिरवाह में 63 लीटर अवैध शराब जब्त, दुकान से बिक्री की शिकायत पर पुलिस कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के बैढ़न थाना क्षेत्र अंतर्गत हिरवाह गांव में सोमवार को पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 63 लीटर अवैध शराब जब्त की यह कार्रवाई एक सामाजिक संगठन की सूचना के आधार पर की गई हालांकि छापेमारी के दौरान मौके से कोई आरोपी नहीं मिला जिससे दुकान संचालक फरार हो गया। जानकारी के अनुसार गांव के एक तिराहे पर स्थित दुकान में लंबे समय से अवैध रूप से शराब बिक्री की शिकायत मिल रही थी। सामाजिक संगठन के अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने बताया कि इस दुकान पर लगातार शराब की अवैध बिक्री हो रही थी जिससे वहां शराबियों और असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता था इसके कारण ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि इस संबंध में पहले भी पुलिस को कई बार शिकायत दी गई थी लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद संगठन के सदस्यों ने पुन सूचना एकत्र कर पुलिस को जानकारी दी जिसके आधार पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर तलाशी ली। पुलिस कार्रवाई के दौरान दुकान से विभिन्न ब्रांडों की कुल 63 लीटर अवैध शराब बरामद कर जब्त की गई हालांकि छापेमारी के समय आरोपी वहां से फरार हो चुका था।

महापौर पर दर्ज FIR के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, सिंगरौली एसपी को सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। पूर्व महापौर रेनू शाह के खिलाफ दर्ज एफआईआर को लेकर सोमवार को कांग्रेस ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान आधा सैकड़ा से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शहर में रैली निकाली और पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपते हुए प्रकरण को वापस लेने की मांग की। प्रदर्शन का नेतृत्व कांग्रेस के शहर अध्यक्ष प्रवीण सिंह चौहान ने किया उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व महापौर रेनू शाह के खिलाफ दर्ज मामला पूरी तरह से दोषपूर्ण है और इसे राजनीतिक दबाव में दर्ज किया गया है चौहान ने कहा कि प्रशासन ने बिना निष्पक्ष जांच के यह कार्रवाई की है जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो रहे हैं। कांग्रेस नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि स्थानीय स्तर पर भाजपा से जुड़े कुछ लोगों के दबाव में पुलिस प्रशासन ने यह एफआईआर दर्ज की है, जबकि वास्तविक तथ्यों की गहन जांच नहीं की गई। उन्होंने मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और पूर्व महापौर सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ दर्ज प्रकरण को तत्काल वापस लिया जाए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि एफआईआर वापस नहीं ली गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा उन्होंने कहा कि यह केवल एक व्यक्ति का मामला नहीं है बल्कि प्रशासनिक निष्पक्षता और न्याय व्यवस्था से जुड़ा गंभीर मुद्दा है यह मामला परसदेही गांव में पावरग्रिड कंपनी के हाईटेंशन टावर निर्माण से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार निर्माण कार्य के दौरान हुए विवाद में जमीन मालिक जगदीश शाह की मौत हो गई थी परिजनों ने आरोप लगाया था कि कंपनी के अधिकारियों और ठेकेदार द्वारा बिना उचित मुआवजा दिए जमीन पर टावर लगाया गया और लापरवाही बरती गई जिसके कारण यह घटना हुई।

इसके बाद परसदेही क्षेत्र के पटवारी की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में भास्कर मिश्रा, पूर्व महापौर रेनू शाह और राधिका शाह के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। इसी एफआईआर के विरोध में कांग्रेस ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। फिलहाल पुलिस प्रशासन की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है मामले को लेकर क्षेत्र में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है और आगे आंदोलन की संभावना भी जताई जा रही है।

नवप्रवेशित छात्राओं को एनएसएस से कराया गया परिचय, सेवा और राष्ट्र निर्माण के मूल्यों पर दिया जोर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के अंतर्गत नवप्रवेशित छात्राओं के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को एनएसएस के उद्देश्यों, कार्यप्रणाली एवं गतिविधियों से परिचित कराना तथा उनमें सामाजिक उत्तरदायित्व, सेवा भावना, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, राष्ट्रीय एकता और व्यक्तित्व विकास जैसे गुणों को विकसित करना था कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. ओ.पी. नामदेव की अध्यक्षता में मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। कार्यक्रम की रूपरेखा एनएसएस की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रतिमा कौल द्वारा प्रस्तुत की गई उन्होंने अतिथियों, प्राध्यापकों एवं छात्राओं का स्वागत किया। अपने उद्बोधन में डॉ. प्रतिमा कौल ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना केवल एक सह-शैक्षणिक गतिविधि नहीं है बल्कि यह विद्यार्थियों को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का बोध कराने और सेवा के माध्यम से व्यक्तित्व विकास का अवसर प्रदान करने वाला एक राष्ट्रीय आंदोलन है उन्होंने एनएसएस के इतिहास, उद्देश्य एवं विभिन्न गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि इसके माध्यम से स्वयंसेवकों को समाज की वास्तविक समस्याओं को समझने और उनके समाधान में सक्रिय भागीदारी का अवसर मिलता है उन्होंने कहा कि एनएसएस का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों में सेवा और समर्पण की भावना विकसित करना, नेतृत्व क्षमता और व्यक्तित्व का विकास करना, अनुशासन एवं टीम भावना को बढ़ावा देना, राष्ट्रीय एकता एवं सामाजिक समरसता को मजबूत करना तथा स्वच्छता, स्वास्थ्य जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण और जनहित के अभियानों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है।

'किल ट्रंप' के मायने युद्ध

संपादकीय

ईरान के सुप्रीम लीडर रहे एवं शिया मुस्लिम समुदाय की आस्था के प्रतीक अयातुल्ला अली खामेनेई के जनाजे का दौर है, लिहाजा समूचा देश मातम में है। शोकाकुल लोग रो रहे हैं, छाती पीट रहे हैं, राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान और संसद अध्यक्ष कालीबाफ सरीखे शीर्ष नेताओं और सैन्य कमांडरों को फफक-फफक कर रोते देखा गया है। यह सिलसिला 9 जुलाई तक चलेगा, जिस दिन खामेनेई को उनके गृह नगर मशहद में 'सुपुर्द-ए-खाक' किया जाएगा। ईरान गमजदा है, लेकिन अपनी समूची ताकत के नमूने भी पेश कर रहा है। उसने ऐसी बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है, जिसे मात्र 8 मिनट में लॉन्च किया जा सकता है और दुश्मन को 'मिट्टी-मलबा' किया जा सकता है। तेहरान में 30 से अधिक देशों के शीर्ष प्रतिनिधिमंडल और 90 से अधिक देशों के धर्मगुरु और प्रतिनिधि पहुंचे हैं और दिवंगत सुप्रीम लीडर को श्रद्धांजलियां पेश की हैं। यह शोक-आयोजन यहीं तक सीमित नहीं रहा, क्योंकि सुप्रीम लीडर के सम्मान, श्रद्धा, आस्था में जो भी भीड़ सड़कों पर दिखाई दे रही है, उसके कई हाथों में 'किल ट्रंप' और 'डेथ टू अमरीका' के पोस्टर देखे गए। मंसूबे साफ हैं कि ईरानी अवाम भी चाहता है कि इस शहादत, बलिदान का बदला जरूर लिया जाए। खून का बदला खून...! 'प्रार्थना-स्थल' पर भी नारे गूंजते रहे-अमरीका और ट्रंप की हत्या करो। मेजर जनरल अहमद वाहिदी समेत सैन्य कमांडरों ने कसम खाई है कि सुप्रीम लीडर की हत्या का बदला हर हाल में लिया जाएगा। इसके साफ मायने हैं कि युद्ध अभी जारी रहेगा। हालांकि जनाजे के दौरान अतिरिक्त सुरक्षा और सतर्कता के लिए अमरीका ने ईरान को 'अलर्ट' किया है। राष्ट्रपति ट्रंप अब ईरान को सुरक्षा मुहैया कराने की बात कह रहे हैं, लेकिन तंज भी कस रहे हैं कि हमने ईरान को, सुप्रीम लीडर के जनाजे के लिए, एक सप्ताह की छुट्टी दी है। ध्यान रहे कि राष्ट्रपति ट्रंप का ही यह मकसद था कि सुप्रीम लीडर को खत्म कर ईरान में कथित तानाशाही समाप्त की जाए और सत्ता बदल दी जाए। अमरीका ने ही इजरायल के साथ मिल कर खामेनेई पर हमला किया था, जिसमें उनके साथ 40 से अधिक शीर्ष नेता, सलाहकार और कमांडर भी मारे गए।

बहरहाल अमरीका ने यह भी पुष्टि की है कि इजरायल जनाजे के दौरान ईरान की भीड़ और वहां के कालीबाफ अब्बास अरागची (विदेश मंत्री) सरीखे नेताओं पर हमले कर सकता है! अमरीकी खुफिया एजेंसियां भी इजरायल के नापाक मंसूबों पर लगातार नजरें गड़ाए हैं। ईरान और अमरीका के ऐसे संबंध अप्रत्याशित, आश्चर्यजनक लगते हैं। रक्षा विशेषज्ञों के अब भी आकलन हैं कि फीफा फुटबॉल विश्व कप अथवा खामेनेई के सुपुर्द-ए-खाक के बाद युद्ध फिर भड़केगा और वह पहले से ज्यादा भीषण, वीभत्स होगा। ईरान युद्ध का विध्वंसकारी दौर फिलहाल काफी शांत है और दुनिया ने राहत की एक सांस ली है, क्योंकि खाड़ी देशों से तेल, गैस की आपूर्ति कुछ शुरू हुई है, लेकिन होर्मुज पर अब भी ईरान का नियंत्रण है। सिर्फ टैक्स का भुगतान करने वाले जहाज, टैंकर ही होर्मुज से गुजर पा रहे हैं। युद्ध से वैश्विक अर्थव्यवस्था का 2.2 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का नुकसान आंका जा रहा है, लिहाजा दोनों देशों को इस संदर्भ में विमर्श कर यथाशीघ्र 'अंतिम समझौते' पर सहमत होना चाहिए।

बच्चों पर मंडराता साइबर खतरा

डॉ. विशेष गुप्ता।

सरकार, तकनीकी कंपनियां, विद्यालय, अभिभावक और समाज के सभी कल-पुर्जे आपस में तालमेल बैठाते हुए एक ऐसी डिजिटल अर्थव्यवस्था का निर्माण करें, जहां बच्चों को केवल डिजिटल उपभोक्ता या श्रमिक न बनाकर, सुरक्षित, सम्मानित और सशक्त डिजिटल नागरिक बनाया जा सके।

इंटरनेट मीडिया की दुनिया में आज बच्चों का बचपन लाइक्स और व्यूज के बीच पलने को मजबूर है। बच्चे के मोबाइल स्क्रालिंग, चैटिंग, रील्स देखने के साथ-साथ रील्स बनाने में मां-बाप की सक्रिय सहभागिता चिंता का विषय बन रही है। इसके कारण 80 प्रतिशत से भी अधिक बच्चों के चित्र अथवा उनके वीडियो इंटरनेट पर विद्यमान हैं। इसका अर्थ है कि खेलने, खाने, पढ़ने और कुछ रचनात्मक कार्य करने की उम्र में हम स्वयं ही उन्हें साइबर बुलिंग, आनलाइन शोषण, डिजिटल लत के साथ-साथ निजता के हनन और अनचाहे मानसिक दबाव की ओर घकेल रहे हैं। विश्व में आज करीब 40 करोड़ बच्चे इंटरनेट का प्रयोग करते हैं। भारत में नौ से तेरह साल के लगभग 76 प्रतिशत बच्चे फेसबुक, इंस्टाग्राम एवं यू-ट्यूब जैसे इंटरनेट मीडिया का प्रयोग केवल समय बिताने के लिए ही नहीं कर रहे, बल्कि वे किड्स इन्फ्लुएंसर बनने की ओर भी अग्रसर हैं। आज अकेले इंस्टाग्राम पर 83 हजार से भी अधिक किड्स इन्फ्लुएंसर सक्रिय हैं। हाल के वर्षों में इनकी संख्या में 41 प्रतिशत से भी अधिक की वृद्धि हुई है। इंटरनेट मीडिया से संलग्न बच्चे अब केवल रील्स अथवा वीडियो देखने वाले ही नहीं रह गए हैं, बल्कि कंटेंट क्रिएटर और प्रमोशन के लिए ब्रांड भी बन रहे हैं। कंटेंट क्रिएशन से ये लाखों रुपये भी अर्जित कर रहे हैं। सर्वेक्षण बताते हैं कि 2010 के बाद पैदा हुए 37 प्रतिशत बच्चे इंटरनेट मीडिया के क्षेत्र में इन्फ्लुएंसर बनना चाहते हैं। इन बच्चों के एकाउंट, उनकी वीडियो शूटिंग, उसका संपादन तथा इंटरनेट मीडिया पर अपलोड करने के कार्य इन बच्चों के मां-बाप संभालते हैं। यह किड्स डिजिटल इकोनमी केवल एक आर्थिक अवधारणा ही नहीं है, यह बाल अधिकारों, सुरक्षा, गोपनीयता और नैतिकता से जुड़ा मुद्दा भी है। जब बच्चे इंटरनेट मीडिया पर सक्रिय होते हैं, वीडियो देखते या गेम खेलते हैं, तो वे केवल मनोरंजन ही नहीं, डाटा भी उत्पन्न कर रहे होते हैं। उनके व्यवहार, आदतें, पसंद-नापसंद, रुचियां इन डिजिटल कंपनियों के लिए एक आर्थिक वैल्यू लिए होती हैं। यानी जब कोई बच्चा विडियो देखता है, कोई एप डाउनलोड करता है, गेम खेलता है अथवा आनलाइन कक्षा में भाग लेता है, तो ऐसे समय में उसकी लोकेशन, व्यवहार और उसकी रुचियों से जुड़े डाटा एकत्र किए जाते हैं। डिजिटल कंपनियां इस डाटा का उपयोग मार्केट रिसर्च, विज्ञापनों, व्यावसायिक रणनीतियों के निर्माण तथा एल्गोरिदमिक सिफारिशों के लिए करती हैं। यही वजह है कि बच्चों से जुड़े डाटा की सुरक्षा आज गंभीर चिंता का विषय बन रही है। यह डिजिटल अर्थव्यवस्था बच्चों को शिक्षा, नवाचार, उद्यमिता और नए वैश्विक अवसरों से जोड़ सकती है, परंतु इस लालच में यदि हमने उनकी डिजिटल सुरक्षा, गोपनीयता और मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा की तो यह गंभीर चुनौती भी बन सकती है। वर्तमान में इसके संकेत सामने आने भी लगे हैं। आज जब डिजिटल क्रांति की रफ्तार तेज है, ऐसे में संपूर्ण विश्व में यह बहस तेज हो रही है कि हम कहीं बच्चों को डिजिटल बाल श्रमिक तो नहीं बना रहे हैं। इस डिजिटल युग में कारखानों की जगह स्मार्ट फोन और मशीनों की जगह एल्गोरिदम ने ले ली है। भारत समेत दुनिया के तमाम देशों में बच्चों पर इंटरनेट मीडिया के बढ़ते दुष्प्रभाव को देखते हुए पिछले दिनों संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग ने बच्चों की आनलाइन प्लेटफार्म पर सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए। आस्ट्रेलिया ने अपने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए इंटरनेट मीडिया प्रतिबंधित कर दिया है। फ्रांस, स्पेन, डेनमार्क, इंडोनेशिया एवं मलेशिया ने भी किशोरों की आनलाइन सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाए हैं। ब्रिटेन भी इसी तरह की योजना बना रहा है। इसे देखते हुए भारत में भी 16 साल से कम उम्र के किशोरों के लिए इंटरनेट मीडिया के प्रयोग पर पाबंदी को लेकर बहस तेज हो रही है। बच्चों को 5-6 घंटे इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म्स पर रहने से उनमें भावनात्मक कमजोरी के साथ-साथ उनकी सोचने और समझने और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता भी लगातार घट रही है।

प्याज पर 13 प्रतिशत सरकारी खरीद मूल्य वृद्धि

किसान क़ा लागत से भी कम कीमत पर प्याज बेचने को मजबूर होना बनाम प्याज आम उपभोक्ता की पहुंच से बाहर होकर आंसू निक़ालकर रुला देना, वर्षों क़े इसी असंतुलन की सबसे बड़ी चुनौती से निपटनें की दिशा में कदम

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर भारत में प्याज केवल एक सब्जी नहीं,बल्कि अर्थव्यवस्था, राजनीति, कृषि और आम नागरिक की रसोई से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील विषय है। देश में कई बार प्याज की कीमतों ने सरकारों की नीतियों को प्रभावित किया है और चुनावी राजनीति तक में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।इसलिए जब 4 जुलाई 2026 से केंद्र सरकार ने बफर स्टॉक के लिए प्याज की सरकारी खरीद कीमत में लगभग 13.3 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए 1,875 रूपए प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 2,125 रूपए प्रति क्विंटल करने का निर्णय लिया जो आज 4 जुलाई 2026 से लागू हो चुका है,तो इसे केवल मूल्य वृद्धि के रूप में नहीं बल्कि किसानों,उपभोक्ताओं और कृषि बाजार के बीच संतुलन स्थापित करने वाले एक महत्वपूर्ण आर्थिक निर्णय के रूप में देखा गया। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह निर्णय स्पष्ट संकेत देता है कि सरकार उत्पादन बढ़ाने,किसानों को न्यूनतम लाभकारी मूल्य दिलाने तथाभविष्य में मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करने की दिशा में सक्रिय कदम उठा रही है।भारत विश्व के सबसे बड़े प्याज उत्पादक देशों में शामिल है। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, गुजरात और राजस्थान जैसे राज्य देश के अधिकांश प्याज उत्पादन में योगदान देते हैं। इनमें भी महाराष्ट्र का नासिक क्षेत्र एशिया के सबसे बड़े प्याज उत्पादन क्षेत्रों में गिना जाता है। विडंबना यह है कि भरपूर उत्पादन होने के बावजूद किसान कई बार लागत से भी कम कीमत पर प्याज बेचने को मजबूर हो जाते हैं। दूसरी ओर, जब उत्पादन कम होता है या आपूर्ति बाधित होती है, तो यही प्याज आम उपभोक्ता की पहुंच से बाहर हो जाता है इसलिए ही कई बार जुमला आता है कि प्याज ने आंसू निकल कर रुला दिया, यही असंतुलन वर्षों से भारतीय कृषि बाजार की सबसे बड़ी चुनौती रहा है।

साथियों, सरकार द्वारा खरीद मूल्य को 250 रूपए प्रति क्विंटल बढ़ाने का सबसे बड़ा लाभ उन किसानों को मिलेगा जो अपनी उपज सरकारी बफर स्टॉक योजना के अंतर्गत बेचते हैं। यदि कोई किसान 500 क्विंटल प्याज बेचता है, तो उसे पहले की तुलना में लगभग 1.25 लाख रूपए अतिरिक्त आय प्राप्त होगी। छोटे और मध्यम किसानों के लिए यह अतिरिक्त आय खेती की लागत निकालने,अगली फसल की तैयारी करने तथा परिवार की आर्थिक सुरक्षा मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इससे किसानों का सरकारी खरीद प्रणाली पर विश्वास भी बढ़ेगा।हालांकि केवल खरीद मूल्य बढ़ा देना ही किसानों की सभी समस्याओं का समाधान नहीं है।भारतीय किसान की सबसे बड़ी चुनौती उत्पादन लागत में लगातार वृद्धि है।बीज, उर्वरक, कीटनाशक, सिंचाई, बिजली, डीजल, मजदूरी और परिवहन का खर्च लगातार बढ़ रहा है। यदि उत्पादन लागत भी उसी अनुपात में बढ़ती रहे और विपणन व्यवस्था कमजोर बनी रहे, तो केवल 13 प्रतिशत मूल्य वृद्धि सीमित राहत ही दे पाएगी इसलिए आवश्यक है किसरकार लागत कम करने वालीतकनीकों आधुनिक कृषि यंत्रों तथा वैज्ञानिक खेती को भी समान प्राथमिकता दे।

साथियों, इस निर्णय का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू सरकारी बफर स्टॉक है। जब सरकार अच्छी कीमत पर किसानों से प्याज खरीदती है, तब वह उसे सुरक्षित भंडारण में रखती है। भविष्य में यदि किसी कारण से बाजार मेंप्याज की कमी हो जाती है या कीमतें अचानक बढ़ जाती हैं, तो यही बफर स्टॉक बाजार में उतारकर कीमतों को नियंत्रित किया जा सकता है।इस प्रकार सरकार किसानों को उचित मूल्य भी देती है और उपभोक्ताओं को अत्यधिक महंगाई से भी बचाती है। यही किसी भी सफल कृषि मूल्य नीति की सबसे बड़ी विशेषता होती है। साथियों, उपभोक्ताओं के दृष्टिकोण से देखें तो इस निर्णय का अर्थ यह नहीं है कि 4 जुलाई से ही बाजार में प्याज 13 प्रतिशत महंगा हो जाएगा। सरकारी खरीद मूल्य और खुदरा बाजार मूल्य अलग-अलग कारकों पर निर्भर करते हैं।यदि उत्पादन पर्याप्त रहेगा और सरकार समय पर बफर स्टॉक जारी करती रहेगी,तो खुदरा कीमतों में अनावश्यक वृद्धि की संभावना कम होगी। अर्थात अल्पकाल में किसानों को राहत और दीर्घकाल में उपभोक्ताओं को स्थिर कीमत, दोनों उद्देश्यों को एक साथ साधने का प्रयास इस निर्णय में दिखाई देता है।हम देखते हैं कि, भारत में प्याज की सबसे बड़ी समस्या उत्पादन नहीं बल्कि भंडारण और आपूर्ति श्रृंखला है। अनुमान है कि हर वर्ष बड़ी मात्रा में प्याज उचित वैज्ञानिक भंडारण के अभाव में खराब हो जाती है।यदि आधुनिक कोल्डस्टोरेज वेंटिलेटेड गोदाम और वैज्ञानिक भंडारण प्रणाली का व्यापक विकास हो जाए तो किसानों को मजबूरी में सस्ते दाम पर बिक्री नहीं करनी पड़ेगी और उपभोक्ताओं को भी पूरे वर्ष संतुलित कीमत पर प्याज उपलब्ध हो सकेगा। इसलिए मूल्य वृद्धि के साथ-साथ भंडारण अवसंरचना में निवेश अनिवार्य है। साथियों, कृषि अर्थशास्त्रियों का मानना है कि किसानों की आय दोगुनी करने या स्थायी रूप से बढ़ाने का सबसे प्रभावी तरीका केवल समर्थन मूल्य नहीं बल्कि मूल्य संवर्धन (वैल्यू एडिशन) और सप्लाई चेन का आधुनिकीकरण है।प्याज से निर्जलित (डिहाइड्रटेड)प्याज प्याज पाउडर, प्याज पेस्ट और निर्यात योग्य प्रसंस्कृत उत्पाद तैयार कर किसानों को कहीं अधिक लाभ दिलाया जा सकता है। भारत यदि कृषि प्रसंस्करण पर अधिक निवेश करे तो किसानों की आय में सटीक रूप से उल्लेखनीय वृद्धि संभव है।

साथियों, अंतरराष्ट्रीय बाजार भी इस निर्णय से जुड़ा हुआ है। भारत विश्व के प्रमुख प्याज निर्यातकों में शामिल है। कई देशों की खाद्य सुरक्षा भारतीय प्याज पर निर्भर रहती है। लेकिन घरेलू कीमतें बढ़ने पर भारत कई बार निर्यात पर प्रतिबंध या शुल्क लगा देता है, जिससे वैश्विक बाजार प्रभावित होता है। यदि देश में पर्याप्त बफर स्टॉक और संतुलित उत्पादन रहेगा तो भविष्य में निर्यात नीति अधिक स्थिर बनाई जा सकेगी। इससे विदेशी मुद्रा अर्जन बढ़ेगा और भारतीय किसानों को अंतरराष्ट्रीय बाजार का सटीकता से बेहतर लाभ मिलेगा। साथियों जलवायु परिवर्तन भी प्याज उत्पादन के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। अनियमित वर्षा, ओलावृष्टि, अत्यधिक तापमान तथा सूखे जैसी घटनाएं उत्पादन को प्रभावित करती हैं। ऐसे समय में यदि किसानों को न्यूनतम लाभकारी मूल्य की गारंटी मिले तो उनका जोखिम कम होता है। इसलिए यह निर्णय केवल आर्थिक नहीं बल्कि जलवायु जोखिम प्रबंधन की दिशा में भी एक सकारात्मक कदम माना जा सकता है।इस नीति का सामाजिक प्रभाव भी महत्वपूर्ण है। जब किसान को उचित मूल्य मिलता है तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। उसकी क्रय शक्ति बढ़ती है, स्थानीय बाजारों में व्यापार बढ़ता है, रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और ग्रामीण विकास को गति मिलती है। दूसरी ओर यदि किसान लगातार घाटे में रहेगा तो कृषि छोड़ने की प्रवृत्ति बढ़ेगी, जिसका असर देश की खाद्य सुरक्षा पर पड़ेगा। इसलिए किसानों को लाभकारी मूल्य देना केवल कृषि का प्रश्न नहीं बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक स्थिरता का विषय भी है।

साथियों, हालांकि विशेषज्ञ यह भी कहते हैं कि सरकार को मूल्य वृद्धि के साथ पारदर्शी खरीद व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी। यदि खरीद केंद्र पर्याप्त नहीं होंगे या भुगतान समय पर नहीं होगा तो किसान इस योजना का पूरा लाभ नहीं उठा पाएंगे। डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन पंजीकरण, पारदर्शी गुणवत्ता परीक्षण तथा समयबद्ध खरीद व्यवस्था इस नीति की सफलता के लिए आवश्यक हैं।भविष्य की कृषि नीति में केवल समर्थन मूल्य पर निर्भर रहने के बजाय किसानों को बाजार से जोड़ने की रणनीति भी महत्वपूर्ण होगी।किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ), ई-नाम (ई-नाम), कृषि निर्यात केंद्र, प्रसंस्करण उद्योग और अनुबंध खेती जैसी व्यवस्थाओं का संतुलित विस्तार किसानों को बेहतर मूल्य दिला सकता है। यदि इन सभी सुधारों को सरकारी खरीद नीति के साथ जोड़ा जाए तो कृषि क्षेत्र में सटीकता से व्यापक परिवर्तन संभव है। साथियों, भारत को आज ऐसी कृषि नीति की आवश्यकता है जो किसान, उपभोक्ता और बाजार तीनों के हितों का संतुलन बनाए। किसान को उचित मूल्य मिले, उपभोक्ता को उचित दर पर खाद्य सामग्री उपलब्ध हो और सरकार को बार-बार आपातकालीन हस्तक्षेप न करना पड़े। प्याज की सरकारी खरीद मूल्य में 13 प्रतिशत वृद्धि इसी संतुलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम प्रतीत होती है, लेकिन इसकी वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि इसे कितनी पारदर्शिता, दक्षता और दूरदर्शिता के साथ लागू किया जाता है। अतः अगर उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि कहा जा सकता है कि 2,125 रूपए प्रति क्विंटल की नई सरकारी खरीदकीमत केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि भारतीय कृषि व्यवस्था में संतुलन स्थापित करने का प्रयास है। यदि इसके साथ वैज्ञानिक भंडारण,आधुनिक कृषि तकनीक, बेहतर विपणन, स्थिर निर्यात नीति, प्रसंस्करण उद्योग और किसानों के लिए आसान बाजार व्यवस्था को भी समान गति से विकसित किया जाए, तो यह निर्णय भारत की कृषि अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकता है। तभी किसान समृद्ध होंगे, उपभोक्ता सुरक्षित रहेंगे और भारत की खाद्य मूल्य स्थिरता विश्व के लिए एक सफल मॉडल बन सकेगी। यही विकसित भारत की कृषि नीति का वास्तविक आधार भी होना चाहिए।

मंदिरों के चढ़ावे का उपयोग

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना हिंदू समाज को आहत और साथ ही इस मंदिर के ट्रस्ट के प्रति लोगों के भरोसे को चोट पहुंचाने वाली है। फिलहाल यह कहना कठिन है कि कितनी राशि की चोरी की गई और कब से जारी थी, लेकिन यह शर्मनाक है कि दान राशि उन्हीं लोगों ने हड़पी, जिन पर उसकी देख-रेख की जिम्मेदारी थी। अभी तक इस मामले में आठ लोगों को गिरफ्तार कर विशेष जांच दल यानी एसआइटी की ओर से पूछताछ जारी है। मामले की गंभीरता और व्यापकता को देखते हुए एसआइटी की समय सीमा बढ़ा दी गई है। देखना है कि वह तय समय में अपनी जांच पूरी कर पाती है या नहीं?

संजय गुप्त।

चूंकि राम मंदिर सदियों की प्रतीक्षा और संघर्ष के बाद बना, इसलिए उसके उद्घाटन के बाद से ही देश-विदेश के लोग अयोध्या आ रहे थे और हर महीने करोड़ों की दान राशि आ रही थी। इस दान राशि के उपयोग का अधिकार ट्रस्ट के पास है। दान राशि के उपयोग में सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं और वह होना भी नहीं चाहिए, लेकिन यह तो सुनिश्चित होना ही चाहिए कि ट्रस्ट उसका उपयोग सही तरह से करे। जैसे राम मंदिर के लिए एक ट्रस्ट बना है, वैसे ही अन्य प्रमुख मंदिरों के लिए भी है। कुछ मंदिरों में भक्त करोड़ों का दान देते हैं। जहां कुछ मंदिरों के ट्रस्ट में सरकारी अधिकारी भी शामिल होते हैं, वहीं कुछ पूरी तौर पर सरकार की ओर से संचालित होते हैं। ऐसे मंदिरों को मिलने वाले चढ़ावे की राशि का उपयोग सरकारें अपने हिसाब से करती हैं।

इसे लेकर कई बार सवाल उठ चुके हैं कि क्या मंदिरों का चढ़ावा हिंदू धर्म के प्रचार-प्रसार और हिंदू समाज के कल्याण के लिए ही होता है? ऐसे सवाल इसलिए उठते रहे हैं, क्योंकि कई मंदिरों की दान राशि का इस्तेमाल हिंदू धर्म के कल्याण से इतर कार्यों में भी किए जाने की खबरें आती रही हैं। आम तौर पर जो छोटे मंदिर हैं, उनके चढ़ावे की राशि तो पुजारियों, सेवादारों के गुजारे के साथ मंदिर के रखरखाव, भंडारे आदि के आयोजन में ही खर्च हो जाती है। क्या इस सबसे हिंदू धर्म के प्रचार के उद्देश्य की पूर्ति हो जाती है? कुछ बड़े मंदिरों के ट्रस्ट शिक्षा संस्थान, अस्पताल, धर्मशालाएं आदि चलाते हैं, लेकिन इसका सटीक आंकड़ा शायद ही किसी के पास हो कि देश के प्रमुख मंदिरों को प्रति वर्ष कितना चढ़ावा मिलता है और उसका उपयोग किन-किन कार्यों में किया जाता है?

इसका कारण यह है कि इसकी कोई सुनिश्चित व्यवस्था नहीं कि चढ़ावे की राशि किन कार्यों में खर्च की जाएगी और किनमें नहीं? निःसंदेह मंदिरों को मिलने वाली चढ़ावे की राशि हिंदू धर्म के प्रचार-प्रसार और कल्याण में ही खर्च होनी चाहिए, लेकिन यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि आखिर हिंदू धर्म के प्रचार-प्रसार का काम प्रभावी तरीके से किस प्रकार किया जाए? क्या संस्कृत विद्यालयों अथवा गुरुकुलों का संचालन करने मात्र से हिंदू धर्म के प्रचार-प्रसार का उद्देश्य पूरा हो जाता है? क्या हिंदू धर्म के वैभव प्रदर्शन से धर्म प्रचार का उद्देश्य पूरा हो जाता है? प्रश्न यह भी है कि क्या हिंदू धर्म का प्रचार केवल हिंदुओं के बीच होना चाहिए? विडंबना यह है कि इसे लेकर हिंदू धर्माचार्यों और मंदिर ट्रस्ट का संचालन करने वालों में कोई सहमति नहीं है। हिंदू धर्म की विशेषता यह है कि यह किसी एक ग्रंथ या देव के दर्शन पर आधारित नहीं है। हिंदुओं को इसकी स्वतंत्रता है कि वे अपनी इच्छानुसार किसी इष्ट की पूजा-अर्चना करें। हिंदू धर्म के अनुयायियों के रीति-रिवाज भी अलग-अलग हैं और वे सब अपनी आस्था के अनुसार उनका पालन करने के लिए स्वतंत्र हैं। कोई कर्मकांडों को महत्व देता है तो कोई उनकी आवश्यकता नहीं समझता। हिंदू धर्म की विशेषताएं ही उसे अन्य धर्मों-पंथों से अलग करती हैं, लेकिन संभवतः इसी कारण इसकी कोई रूपरेखा भी नहीं बन सकी है कि आखिर हिंदू धर्म का व्यापक प्रचार-प्रसार कैसे हो?

इसके विपरीत सनातन की शाखा समझे जाने वाले बौद्ध मत का प्रचार-प्रसार सुनियोजित तरीके से किया गया। इसका परिणाम यह है कि आज अनेक देशों में बौद्ध मत के अनुयायी हैं, लेकिन समय के साथ बौद्ध पंथ को हिंदू धर्म से अलग देखा जाने लगा। जैन और सिख पंथ भी सनातन की ही शाखा हैं। सभी अपने-अपने अनुसार अपने मत का प्रचार करते हैं, लेकिन यह किसी से छिपा नहीं कि ईसाइयत और इस्लाम का प्रचार करने वाले कहीं अधिक संगठित हैं और सुनियोजित हैं। इसीलिए उनसे जुड़े संगठनों पर मतांतरण के आरोप लगते रहते हैं। मंदिरों की समस्या यह है कि जहां कई बड़े मंदिरों के संचालन में सरकारी हस्तक्षेप रहता है, वहीं अन्य पंथों के अनुयायी अपने धार्मिक स्थलों का संचालन अपने हिसाब से करते हैं और उसमें सरकार का कोई दखल नहीं रहता। यह एक विसंगति है। हिंदू संगठन लगातार यह मांग करते चले आ रहे हैं कि मंदिरों का संचालन हिंदू समाज को सौंपा जाए, लेकिन इस मांग पर बल देने के साथ ही यह भी आवश्यक है कि मंदिरों के संचालन की कोई ठोस संहिता बने। यह भी तय हो कि मंदिरों को मिलने वाली चढ़ावे की राशि का उपयोग किस तरह होगा? इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि देश में कई ऐसे मंदिर हैं, जिनमें अच्छा-खासा चढ़ावा आता है, लेकिन यह पता नहीं चलता कि उनका खर्च किन कार्यों में किया जाता है? ट्रस्ट संचालित मंदिर भी चढ़ावे की राशि का उपयोग अपने हिसाब से करते हैं। जब भी कोई भक्त मंदिर जाता है तो चढ़ावा देते समय उसके दिमाग में यह नहीं रहता कि उसका क्या उपयोग होगा समय आ गया है कि इसकी कोई ठोस रूपरेखा बने कि मंदिरों के पुजारी या ट्रस्टी चढ़ावे की राशि का उपयोग हिंदू धर्म का समुचित ढंग से प्रचार करने और हिंदू समाज के कल्याण में ही खर्च करें। जब तक ऐसा नहीं होगा, चढ़ावे के उपयोग को लेकर सवाल उठते रहेंगे। जितना आवश्यक यह है कि राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना की सही तरह जांच हो।

ईमानदारी और सत्यनिष्ठा युवा अधिकारी की सबसे बड़ी पूंजी : डीजीपी कैलाश मकवाणा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने कहा है कि ईमानदारी और सत्यनिष्ठा किसी भी युवा अधिकारी की सबसे बड़ी पूंजी होती है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सेवा केवल एक पद नहीं बल्कि जनता की सेवा का एक महत्वपूर्ण दायित्व है, जिसे पूरी निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ निभाया जाना चाहिए। मध्यप्रदेश संवर्ग 2025 बैच के आठ परिवीक्षाधीन भारतीय प्रशासनिक सेवा (द्बस) अधिकारियों ने पुलिस मुख्यालय में डीजीपी से सौजन्य भेंट की। इस दौरान डीजीपी ने सभी अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। उन्होंने अधिकारियों को प्रशिक्षण अवधि का पूर्ण लाभ उठाने और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी डीजीपी ने कहा कि नवचयनित अधिकारियों को अपने अधीनस्थ अमले से भी सीखने में संकोच नहीं करना चाहिए उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सफलता के लिए निरंतर सीखने की प्रवृत्ति और तकनीकी समझ आवश्यक है वर्तमान समय में नए आपराधिक कानून, साइबर सुरक्षा, साइबर फ्रॉड, नारकोटिक्स और नशा मुक्ति जैसे विषय प्रशासनिक अधिकारियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं अपने अनुभव साझा करते हुए डीजीपी मकवाणा ने मंदसौर और मुरैना की घटनाओं का उल्लेख किया उन्होंने बताया कि कठिन परिस्थितियों में धैर्य, संवाद और सही नेतृत्व के माध्यम से बड़ी से बड़ी भीड़ को भी शांतिपूर्वक नियंत्रित किया जा सकता है उन्होंने मुरैना में सड़क सुरक्षा अभियान और निष्पक्ष जांच के अनुभव भी साझा किए उन्होंने यह भी बताया कि डायल-100 से 112 आपातकालीन सेवा में परिवर्तन एक चुनौतीपूर्ण कार्य था, जिसे छह से सात महीनों के निरंतर प्रयास, टीमवर्क और समर्पण के माध्यम से सफलतापूर्वक लागू किया गया। उन्होंने कहा कि किसी भी बड़े परिवर्तन के लिए धैर्य और निरंतर प्रयास आवश्यक होते हैं। उन्होंने नक्सल समस्या का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2025 में मध्यप्रदेश ने नक्सल समस्या से मुक्ति प्राप्त की, जो सुरक्षा बलों, प्रशासन और जनता के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है डीजीपी ने अधिकारियों को सलाह दी कि किसी भी सूचना पर तुरंत विश्वास न करें, बल्कि पहले उसका सत्यापन करें और उसके बाद ही निर्णय लें उन्होंने कहा कि प्रशासनिक निर्णय तथ्यों और निष्पक्षता पर आधारित होने चाहिए। उन्होंने कहा कि ईमानदारी और सत्यनिष्ठा ही एक अधिकारी की सबसे बड़ी संपत्ति है इसलिए भ्रष्टाचार, व्यक्तिगत स्वार्थ और भौतिकवादी सोच से दूर रहना चाहिए उन्होंने नवचयनित अधिकारियों को यह भी सलाह दी कि वे कभी भी पद का अहंकार अपने ऊपर हावी न होने दें और प्रत्येक नागरिक की समस्या को अपनी समस्या समझकर समाधान का प्रयास करें उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण अवधि सीखने का सबसे महत्वपूर्ण अवसर होती है जिसमें प्रश्न पूछने में संकोच नहीं करना चाहिए और निरंतर सीखते रहना चाहिए।

समय पर मिला खाद-बीज, सीमांत किसान नरेन्द्र सिंह की खरीफ खेती को मिली नई ताकत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। खेती में समय पर सही संसाधनों की उपलब्धता ही अच्छी फसल की सबसे बड़ी कुंजी होती है यदि किसानों को बोनी के समय गुणवत्तापूर्ण खाद, बीज और उर्वरक मिल जाएं तो उत्पादन बढ़ने के साथ उनकी आर्थिक चिंता भी काफी हद तक कम हो जाती है। मनेन्द्रगढ़ विकासखंड के ग्राम चैनपुर निवासी सीमांत किसान नरेन्द्र सिंह की कहानी इसी बदलाव की मिसाल है इस खरीफ सीजन में उन्हें सहकारी समिति के माध्यम से समय पर कृषि आदान उपलब्ध हुए, जिससे उनकी खेती को नई गति और बेहतर उत्पादन की उम्मीद मिली है नरेन्द्र सिंह के पास कुल 1.780 हेक्टेयर कृषि भूमि है जिसमें पूरी भूमि असिंचित है सीमित संसाधनों और आर्थिक परिस्थितियों के कारण हर वर्ष खरीफ सीजन में खेती की तैयारी करना उनके लिए चुनौतीपूर्ण रहता था समय पर खाद और बीज की व्यवस्था नहीं होने से बुवाई प्रभावित होने की आशंका बनी रहती थी लेकिन इस बार आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित, चैनपुर शाखा मनेन्द्रगढ़ ने उनकी इस चिंता को दूर कर दिया। समिति ने उन्हें ऋण सुविधा के माध्यम से खरीफ फसल के लिए आवश्यक कृषि सामग्री उपलब्ध कराई इसमें 50 किलोग्राम की एक बोरी आईपीएल पोटाश (एमओपी), 500 मिलीलीटर की एक बोतल इफको नैनो डीएपी, 45 किलोग्राम की चार बोरी एनएफएल नीम लेपित यूरिया तथा छत्तीसगढ़ राज्य बीज निगम का लोहारी कोरिया धान (एमटीयू-1156) की 30-30 किलोग्राम की दो बोरियां शामिल हैं इन कृषि आदानों की समय पर उपलब्धता से नरेन्द्र सिंह ने बिना किसी देरी के खेतों की तैयारी और बुवाई शुरू कर दी नरेन्द्र सिंह बताते हैं कि यदि समय पर खाद और बीज नहीं मिलते तो बुवाई में विलंब होता और इसका सीधा असर फसल उत्पादन पर पड़ता सहकारी समिति के माध्यम से आसानी से कृषि सामग्री मिलने से उनकी आर्थिक चिंता कम हुई है साथ ही गुणवत्तापूर्ण बीज और संतुलित उर्वरकों के उपयोग से उन्हें इस वर्ष बेहतर उत्पादन और आय बढ़ने की पूरी उम्मीद है। वे कहते हैं कि शासन की किसान हितैषी योजनाओं और सहकारी समिति की व्यवस्था ने छोटे किसानों के लिए खेती को आसान बनाया है ऋण सुविधा के कारण उन्हें बाजार से महंगे दामों पर कृषि सामग्री खरीदने की आवश्यकता नहीं पड़ी और समय पर खेती की शुरुआत संभव हो सकी यह सफलता की कहानी बताती है कि किसानों तक समय पर गुणवत्तापूर्ण खाद, बीज और उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में सहकारी समितियां महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं शासन की किसान-केंद्रित व्यवस्था का लाभ सीधे खेतों तक पहुंच रहा है ।

मूंगफली बीज की कमी पर किसानों का फूटा गुस्सा, नरवर में तीन घंटे चक्काजाम

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के नरवर में मूंगफली बीज उपलब्ध नहीं होने से नाराज किसानों ने सोमवार को कृषि विभाग कार्यालय के बाहर नरवर-मगरौनी मार्ग पर करीब तीन घंटे तक चक्काजाम किया किसानों का आरोप है कि वे पिछले आठ दिनों से बीज के लिए कृषि विभाग के चक्कर लगा रहे हैं लेकिन अब तक उन्हें बीज उपलब्ध नहीं कराया गया किसानों के अनुसार विभाग ने सोमवार को बीज वितरण का आश्वासन दिया था सुबह से बड़ी संख्या में किसान कार्यालय पहुंचे लेकिन न तो अधिकारी मौके पर मिले और न ही बीज का वितरण हुआ इसके विरोध में किसानों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही नरवर थाना प्रभारी विनय यादव और तहसीलदार विजय कुमार त्यागी मौके पर पहुंचे दोनों अधिकारियों ने किसानों को समझाने का प्रयास किया लेकिन किसान बीज उपलब्ध कराए जाने की मांग पर अड़े रहे किसानों का कहना है कि आठ गांवों के किसानों के दस्तावेज पहले ही जमा किए जा चुके हैं फिर भी समय पर बीज नहीं मिलने से मूंगफली की बुवाई प्रभावित हो रही है किसानों ने आरोप लगाया कि प्रतिदिन सैकड़ों किसान कृषि विभाग कार्यालय पहुंचते हैं लेकिन अधिकांश समय कार्यालय बंद मिलता है।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 से 10 दिन में बना जन्म प्रमाण पत्र, मैहर निवासी की वर्षों पुरानी परेशानी हुई दूर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन, पारदर्शिता और जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के संकल्प को साकार करने में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 प्रभावी माध्यम बनकर उभर रही है हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निराकरण कर आम नागरिकों को राहत प्रदान की जा रही है इसका एक सकारात्मक उदाहरण तब सामने आया जब मध्यप्रदेश के मैहर जिले के निवासी महेंद्र बसोर की पुत्री का जन्म प्रमाण पत्र मात्र 10 दिनों में बनाकर उन्हें उपलब्ध कराया गया जानकारी के अनुसार महेंद्र बसोर की पुत्री तान्या बसोर का जन्म छत्तीसगढ़ के मनेन्द्रगढ़ स्थित 220 बिस्तर सिविल अस्पताल में हुआ था चूंकि जन्म एक राज्य में हुआ

और परिवार दूसरे राज्य का निवासी था इसलिए जन्म प्रमाण पत्र बनवाने की प्रक्रिया में उन्हें कई प्रशासनिक और तकनीकी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था लंबे समय तक प्रयास करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो सका। इसके बाद महेंद्र बसोर ने अपनी समस्या के निराकरण के लिए मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत प्राप्त होने के बाद संबंधित विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक दस्तावेजों का परीक्षण किया और नियमानुसार प्रक्रिया पूरी कराई। विभागीय अधिकारियों की तत्परता के चलते केवल 10 दिनों के भीतर तान्या बसोर का जन्म प्रमाण पत्र तैयार कर महेंद्र बसोर को उपलब्ध करा दिया गया। जन्म प्रमाण पत्र मिलने के बाद महेंद्र बसोर ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से उनकी लंबे समय से लंबित समस्या का त्वरित समाधान संभव हो सका उन्होंने कहा कि यदि यह सुविधा नहीं होती तो उन्हें कई कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते और परेशानी का सामना करना पड़ता। महेंद्र बसोर ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार की जनहितैषी पहल आम नागरिकों के लिए बेहद उपयोगी साबित हो रही है उन्होंने जिला प्रशासन, संबंधित विभाग तथा सभी अधिकारियों का धन्यवाद देते हुए कहा कि शिकायतों के समयबद्ध और संवेदनशील निराकरण से शासन के प्रति लोगों का विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है। जिला प्रशासन का कहना है कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 नागरिकों और शासन के बीच एक मजबूत संवाद का माध्यम बन चुकी है अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि हेल्पलाइन में प्राप्त प्रत्येक शिकायत का प्राथमिकता के आधार पर समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए ताकि आम लोगों को त्वरित राहत मिल सके और सुशासन की भावना धरातल पर दिखाई दे।

देवाड़ांड के नए 33/11 केवी उपकेंद्र से शुरू होगी बिजली आपूर्ति, कोचका, सलका और कटकोना को मिलेगा लाभ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में बिजली व्यवस्था को अधिक मजबूत और विश्वसनीय बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना योजना के तहत ग्राम देवाड़ांड में निर्मित 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र से जुड़ी 11 केवी विद्युत लाइन को सोमवार से विद्युत प्रवाह के लिए चालू किया जा रहा है। इस नई व्यवस्था से क्षेत्र के हजारों उपभोक्ताओं को बेहतर और निर्बाध बिजली आपूर्ति का लाभ मिलेगा छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के कार्यपालन अभियंता (संभाग) मनेन्द्रगढ़ ने बताया कि नई 11 केवी लाइन ग्राम कोचका, देवाड़ांड, सलका और कटकोना से होकर गुजरी है विद्युत प्रवाह शुरू होने के बाद इन गांवों में बिजली आपूर्ति पहले की तुलना में अधिक सुदृढ़, स्थिर और भरोसेमंद होगी। इससे उपभोक्ताओं को बार-बार बिजली बाधित होने की समस्या से काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है।

विभाग के अनुसार मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना योजना के अंतर्गत जिले में लगातार बिजली नेटवर्क का विस्तार किया जा रहा है नए उपकेंद्र और विद्युत लाइनों के निर्माण का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण एवं पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराना है ताकि घरेलू उपभोक्ताओं के साथ-साथ कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य और छोटे व्यवसायों को भी बेहतर विद्युत सुविधा मिल सके कार्यपालन अभियंता ने क्षेत्र के नागरिकों से विशेष सावधानी बरतने की अपील करते हुए कहा कि विद्युत लाइन में प्रवाह शुरू होने के बाद सभी लोग सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करें।

महतारी वंदन योजना ने बदली गीता यादव की जिंदगी, हर महीने की सहायता से बढ़ी आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांमहतारी वंदन योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में प्रभावी भूमिका निभा रही है। योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर माह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है जिससे वे न केवल अपनी दैनिक जरूरतों को पूरा कर रही बल्कि परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में भी महत्वपूर्ण भागीदारी निभा रही हैं। जिले के ग्राम मसौरा की निवासी गीता यादव इस योजना से लाभान्वित होने वाली ऐसी ही एक महिला जिनके जीवन में योजना ने सकारात्मक बदलाव लाया है। गीता यादव को महतारी वंदन योजना के तहत अब तक 28 किश्तों में कुल 28 हजार रुपये की सहायता राशि प्राप्त हो चुकी है उनका कहना है कि यह राशि उनके परिवार के लिए एक मजबूत आर्थिक सहारा बन गई है हर महीने मिलने वाली सहायता से वे घर की छोटी-मोटी जरूरतों दैनिक उपयोग की वस्तुओं और अन्य आवश्यक खर्चों को आसानी से पूरा कर पा रही हैं। उन्होंने बताया कि योजना शुरू होने से पहले कई बार घरेलू खर्चों के लिए आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता था छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने के लिए परिवार को अतिरिक्त व्यवस्था करनी पड़ती थी लेकिन अब हर माह नियमित रूप से मिलने वाली सहायता राशि से घरेलू बजट संतुलित रहता है और आवश्यक खर्चों के लिए किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। इससे परिवार की आर्थिक स्थिति में भी सुधार आया है। गीता यादव का कहना है कि महतारी वंदन योजना ने उन्हें केवल आर्थिक सहयोग ही नहीं दिया बल्कि आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की नई पहचान भी दी है अब वे परिवार की जरूरतों को पूरा करने में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं और अपने योगदान पर गर्व महसूस करती हैं उनके अनुसार महिलाओं के हाथों में नियमित आर्थिक सहायता पहुंचने से उनका आत्मसम्मान बढ़ता है और वे परिवार के निर्णयों में भी अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकती हैं उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार की यह योजना महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही है उनके अनुसार महतारी वंदन योजना लाखों महिलाओं के लिए आर्थिक सुरक्षा का आधार बन गई है और इससे परिवारों को भी सीधा लाभ मिल रहा है। नियमित सहायता से महिलाएं अपने बच्चों की जरूरतों, घरेलू खर्चों और अन्य आवश्यक कार्यों को बेहतर ढंग से पूरा कर पा रही हैं जिला प्रशासन का कहना है कि महतारी वंदन योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। योजना का लाभ प्रदेश की लाखों महिलाओं तक पहुंच रहा है।

नर्मदापुरम में दो अलग-अलग मौतें : पेड़ पर लटका मिला युवक का शव, दिव्यांग की संदिग्ध मौत से सनसनी

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। देहात थाना क्षेत्र में रविवार देर रात और सोमवार सुबह दो अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई जिससे इलाके में सनसनी फैल गई ह पुलिस ने दोनों मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पहली घटना में 25 वर्षीय शादीशुदा युवक रामस्वरूप पिता लखनलाल दुलारे (निवासी बम्मनगांव) का शव सड़क किनारे बबूल के पेड़ पर फांसी के फंदे से लटका मिला बताया जा रहा है कि वह सुबह घर से ससुराल जाने की बात कहकर निकला था लेकिन वहां नहीं पहुंचा सुबह करीब 10 बजे स्थानीय लोगों ने उसका शव झाड़ियों के बीच पेड़ पर लटका देखा जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस के अनुसार रामस्वरूप की ससुराल बुधवाड़ा में है और उसकी पत्नी भी मायके में ही रह रही थी। एएसआई प्रवीण शर्मा ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। दूसरी घटना नर्मदापुरम की डिवाइन सिटी कॉलोनी की है जहां 55 वर्षीय दिव्यांग असित केकड़े का शव उनके घर के अंदर संदिग्ध अवस्था में मिला। मृतक अकेले रहते थे जबकि उनके परिजन महाराष्ट्र में निवास करते हैं रविवार शाम तक घर से कोई गतिविधि न होने पर पड़ोसियों को संदेह हुआ। इसके बाद गार्ड और स्थानीय लोगों ने खिड़की से झांककर देखा तो असित केकड़े जमीन पर पड़े मिले सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा खोलकर अंदर प्रवेश किया जहां उनका शव मिला।

पीएम एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पोड़ीडीह में लेटरल एंट्री से प्रवेश का मौका

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जनजातीय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं आवासीय शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित पीएम एकलव्य आदर्श सह-शैक्षणिक आवासीय विद्यालय, पोड़ीडीह में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए लेटरल एंट्री (Lateral Entry) के माध्यम से कक्षा 7वीं एवं 11वीं की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं विद्यालय प्रबंधन ने इच्छुक एवं पात्र छात्र-छात्राओं से निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवेदन करने की अपील की है। विद्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार विकासखंड खड़गवां स्थित इस आवासीय विद्यालय में कक्षा 7वीं की कुल तीन रिक्त सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा इनमें एक सीट बालक तथा दो सीटें बालिकाओं के लिए निर्धारित हैं। वहीं कक्षा 11वीं में कुल चार रिक्त सीटें उपलब्ध हैं जिनमें तीन सीटें बालकों तथा एक सीट बालिका के लिए आरक्षित है

प्रबंधन के अनुसार कक्षा 7वीं में प्रवेश चयन परीक्षा के आधार पर किया जाएगा जबकि कक्षा 11वीं में प्रवेश कक्षा 10वीं की परीक्षा में प्राप्त अंकों एवं मेरिट सूची के आधार पर होगा इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित आवेदन पत्र भरकर आवश्यक दस्तावेजों सहित 14 जुलाई 2026 तक विद्यालय कार्यालय में ऑफलाइन जमा कर सकते हैं कक्षा 7वीं के लिए प्रवेश परीक्षा 17 जुलाई 2026 को विद्यालय परिसर में आयोजित की जाएगी परीक्षा का समय सुबह 11:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक निर्धारित किया गया है परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को नियमानुसार प्रवेश प्रदान किया जाएगा। विद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्रवेश के लिए अभ्यर्थी का छत्तीसगढ़ राज्य का मूल निवासी होना तथा राज्य द्वारा अधिसूचित अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग से संबंधित होना अनिवार्य है इसके अलावा अभ्यर्थी किसी अन्य विद्यालय से निष्कासित नहीं होना चाहिए। आवेदन पत्र के साथ जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, जन्मतिथि, आधार कार्ड, पूर्व कक्षा की अंकसूची एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज संलग्न करना अनिवार्य होगा आवेदन पत्र में विद्यार्थी एवं अभिभावक की सभी जानकारी सही एवं पूर्ण रूप से भरना आवश्यक है। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया, पात्रता, आरक्षण, चयन नियम तथा अन्य विस्तृत दिशा-निर्देश विद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं वहीं आवेदन पत्र भी वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी विद्यालय के ई-मेल [eklavyakorea@gmail.com]200995 पर संपर्क कर सकते हैं विद्यालय प्रशासन ने पात्र अनुसूचित जनजाति वर्ग के छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवेदन प्रस्तुत कर इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं आवासीय विद्यालय में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक सुविधाएं, अनुशासित वातावरण तथा सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाते हैं जिससे उनका शैक्षणिक एवं व्यक्तित्व विकास बेहतर ढंग से हो सके।

एफआईआर में नामजद आरोपियों को शामिल करने की मांग पर कांग्रेस का धरना, एसपी कार्यालय के बाहर चार दिन तक आंदोलन का ऐलान

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। पिछोर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ कथित मारपीट के मामले में नामजद आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर कांग्रेस ने सोमवार से पुलिस अधीक्षक (एसपी) कार्यालय के बाहर चार दिवसीय धरना शुरू कर दिया कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि शिकायत में आरोपियों के नाम स्पष्ट रूप से दिए जाने के बावजूद पुलिस ने केवल अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है धरना सोमवार सुबह 11 बजे शुरू होना था इससे पहले अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) संजीव मुले ने जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहित अग्रवाल से मुलाकात कर धरना स्थगित करने को लेकर चर्चा की। करीब एक घंटे तक चली बातचीत के बावजूद दोनों पक्षों के बीच कोई सहमति नहीं बन सकी इसके बाद कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता एसपी कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए प्रदर्शन में पिछोर विधानसभा क्षेत्र से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने भाग लिया कांग्रेस के अनुसार 27 मई को पिछोर में नवीन नगर परिषद भवन के समीप पार्टी का शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन चल रहा था इसी दौरान 10 से 12 मोटरसाइकिलों पर सवार 25 से 30 लोग मौके पर पहुंचे और लाठी-डंडों तथा प्लास्टिक पाइप से कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की पार्टी का आरोप है कि इस घटना में कई कार्यकर्ता घायल हुए और धरना स्थल पर उपद्रव किया गया कांग्रेस नेताओं का कहना है कि पुलिस को दी गई शिकायत में मंगल लोधी, सुनील लोधी, आजाद लोधी, सौरव लोधी, जीवन लोधी, असवेन्द्र लोधी, कपूर लोधी और आकाश लोधी सहित अन्य लोगों के नाम आरोपी के रूप में दर्ज कराए गए थे इसके बावजूद पुलिस ने केवल अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जिससे पीड़ित पक्ष में नाराजगी है पिछोर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अनिल गुप्ता ने दावा किया कि घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और अन्य साक्ष्य पुलिस के पास उपलब्ध हैं जिनके आधार पर आरोपियों की पहचान की जा सकती है उन्होंने आरोप लगाया कि पर्याप्त साक्ष्य होने के बावजूद नामजद आरोपियों पर कार्रवाई नहीं की जा रही है साथ ही उन्होंने क्षेत्र में बढ़ते अपराधों और पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि नामजद आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा पार्टी नेताओं के अनुसार चार दिन तक धरना जारी रहेगा और आवश्यकता पड़ने पर आंदोलन को ग्वालियर होते हुए भोपाल तक ले जाया जाएगा फिलहाल पुलिस की ओर से इस मामले में विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

कंपनी गोदाम से बिजली वायर चुराने वाले दो कर्मचारी गिरफ्तार

सीसीटीवी फुटेज से खुला मामला, 40 हजार रुपए के वायर बरामद हुए

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर की जनआध्या एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की गोदाम से बिजली वायर चोरी करने वाले दो कर्मचारियों को पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार किया है। आरोपी वारदात करते हुए सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए थे। पूछताछ के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बिजली वायर जब्त किया है। कंपनी के डायरेक्टर फरियादी अंकित चौरसिया निवासी पुरव्याऊ टौरी ने 3 जुलाई को मोतीनगर थाने में शिकायत की। शिकायत में बताया कि उनकी कंपनी का गोदाम पंडापुरा स्थित ज्वाला देवी मंदिर के पास बाघराज वार्ड में है, जहां बिजली के वायर के बंडल रखे थे। रात करीब 8 बजे फरियादी अपने सहयोगी अजीज रहमान खान के साथ गोदाम पहुंचे। वहां लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी। फुटेज में कंपनी में कार्यरत कर्मचारी आदर्श

रजक और तरुण जाटव बैग में बिजली के वायर के तीन बंडल रखकर गोदाम से चोरी कर ले जाते हुए दिखाई दिए। चोरी गए वायर की अनुमानित कीमत करीब 40 हजार रुपए थी। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया। पूछताछ के बाद आरोपियों को कोर्ट पेश किय मामले की जांच करते हुए रविवार को पुलिस ने आरोपी आदर्श पिता राजेन्द्र रजक उम्र 26 वर्ष और तरुण पिता रविशंकर जाटव उम्र 20 वर्ष दोनों निवासी मढ़िया विट्ठल नगर कैंट हिरासत में लिया। थाने लाकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपियों ने चोरी की वारदात करना स्वीकार की। उनके कब्जे से चोरी गए बिजली के वायर बरामद किए गए। मोतीनगर थाना प्रभारी जसवंत सिंह ने बताया कि बिजली वायर चोरी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के बाद आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है।

नर्मदापुरम में शराब तस्करों पर आबकारी का दोहरा शिकंजा 17 घंटे में दो कारों से 16 पेटियां जब्त, कट्टा दिखाकर भागा एक आरोपी

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में रविवार को 17 घंटे के भीतर आबकारी एडीईओ आरपी अहिरवार के नेतृत्व में टीम ने बांद्राभान रोड घानाबढ़ और हरदा रोड एसपीएम गेट नंबर 1 के पास से शराब तस्करी करते दो कार को पकड़ा, जिसमें 16 पेटी शराब मिली। बांद्राभान में आबकारी टीम के खड़े होने की भनक लग जाने से तस्कर अंधेरे में गाड़ी छोड़कर भाग निकले। वहीं एसपीएम गेट नम्बर 1 के पास गाड़ी पकड़ने के दौरान आबकारी के साथ शराब ठेकेदार के साथ कर्मचारी भी शामिल थे। इस दौरान कुछ दूरी तक पहले पीछा किया गया। गाड़ी में बैठे दो आरोपियों में से एक ने देशी कट्टा (पिस्तौल) भी निकाल दिखाया। फिर गाड़ी रुकते ही आबकारी टीम ने तस्करों को पकड़ने की कोशिश की। लेकिन झड़प के बाद एक आरोपी मौके से भाग निकला। दूसरे आरोपी दीपक अहिरवार निवासी नर्मदापुरम को पकड़ लिया। देशी कट्टा सामने आने से रात 10 बजे आबकारी अधिकारी ने 7 पेटी शराब, एक आरोपी, गाड़ी और देशी कट्टा देहात थाना पुलिस को कार्रवाई के लिए सौंपा। मामले में पुलिस ने रविवार सोमवार की दरम्यानी देर रात 1 बजे अवैध शराब तस्करी और आर्म्स एक्ट का केस दर्ज किया।

सवालखेड़ा शराब ठेके से लाई गई थी शराब: सहायक आबकारी अधिकारी अहिरवार ने बताया पूछताछ में आरोपी दीपक अहिरवार ने सांवलखेड़ा की शराब दुकान से यह शराब की पेटियों को रखकर लाने की बात कहीं। सफेद रंग की बलेनो गाड़ी को चलाने वाला आरोपी भाग गया है। नाकाबंदी से 200 मीटर दूर गाड़ी छोड़कर भागे तस्कर ग्राम बांद्राभान घानाबढ़ हाईवे पर आबकारी टीम के नाकाबंदी कर अवैध शराब पकड़ने की तैयारी में थी। लेकिन तस्करों को इसकी भनक लग जाने से नाकाबंदी से 200 मीटर दूर तस्करों ने गाड़ी मोड़कर शराब की पेटियों से रखी वैगनआर गाड़ी छोड़कर तस्कर भाग निकले। कुछ देर बाद जब वृत्त प्रभारी सहायक जिला आबकारी अधिकारी आरपी अहिरवार, मुख्य आरक्षक दुर्गाप्रसाद मांझी, रघुवीरप्रसाद निमोदा और आरक्षक सुरेश सिकरिया ने लावारिस खड़ी गाड़ी चेक किया तो उसमें शराब की 17 पेटियां रखी नजर आई। खोलने पर 87 लीटर देसी मदिरा और बीयर बरामद की गई। अज्ञात आरोपी के खिलाफ मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क), 34(2)के तहत प्रकरण कायम कर किया गया।

मजदूरों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पुलिया से गिरी, 10 घायल डॉक्टर बोले-3 महिलाओं की हालत गंभीर; 10 साल के बच्चे को भी चोट

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। सोमवार सुबह इटारसी के जमानी-तीखड़ की खर्रा नदी के पुल पर मजदूरों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर नीचे जा गिरी। हादसे में करीब 10 मजदूर घायल हो गए, जिनमें से 3 महिलाएं और 10 साल बच्चे की हालत गंभीर बताई जा रही है। ट्रैक्टर-ट्रॉली में 25 से 30 मजदूर सवार थे। ये सभी मजदूर माना गांव से अशोक चौधरी के खेत में मक्का लगाने के लिए जा रहे थे। ट्रैक्टर को अशोक चौधरी के दामाद लवी चला रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चलते समय ट्रैक्टर का अगला लिफ्ट/हिस्सा अचानक खुल गया, इस वजह से ट्रैक्टर का आगे का हिस्सा उठ गया जिससे चालक नियंत्रण खो बैठा और ट्रैक्टर-ट्रॉली पुलिया से नीचे गिर गई।

राहगीरों ने घायलों को बाहर निकाला: हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों और राहगीरों ने तुरंत घायलों को बाहर निकाला और इटारसी के शासकीय अस्पताल पहुंचाया। घायलों में मीटिया भाई का बायां हाथ फ्रैक्चर हो गया है। 10 साल के छोटेलाल कमलेश के सिर और कान के पास गंभीर चोट आई है। कालीबाई के माथे पर गहरी चोट लगने से दो टांके लगाए गए हैं। मंगाबाई के सिर और पैर में, सुनीताबाई की कमर में, शीलाबाई पति राजू के पैर और छाती में, रूबी पिता सत्यनारायण की कमर में और दीपा पिता सेपाल के पैर में गंभीर चोटें आई हैं। अन्य घायल मजदूरों का भी इलाज जारी है।

तीन महिला मजदूरों की हालत गंभीर: डॉक्टरों के अनुसार, तीन महिला मजदूरों की हालत गंभीर बनी हुई है। सभी घायलों का उपचार इटारसी के शासकीय अस्पताल में चल रहा है। हादसे की सूचना मिलते ही अस्पताल की अधीक्षक डॉक्टर भी मौके पर पहुंची और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। हालांकि अभी तक पुलिस मौके पर नहीं पहुंची है।

सिमरोदा में ग्रामीणों को साइबर ठगी से बचने की सीख

मीडिया ऑडीटर, उमरावगंज (निप्र)। पुलिस आमजन को डिजिटल और साइबर सुरक्षा के लिए सेफ क्लीन 2.0 अभियान चला रही है। पुलिस चौराहा, बाजार, स्कूल, सार्वजनिक जगहों पर लोगों को ऑनलाइन ठगी से बचाने के लिए जागरूक कर रही है। अभियान के तहत उमरावगंज थाना प्रभारी वीरेंद्र विश्वकर्मा ने थाना क्षेत्र के ग्राम सिमरोदा में ग्रामीणों को साइबर अपराध के बढ़ते मामलों को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधी फर्जी कॉल, एसएमएस, ऑनलाइन लोन, निवेश, बैंक केवाईसी अपडेट, फर्जी नौकरी, ओटीपी, क्यूआर कोड, संदिग्ध लिंक के जरिए लोगों को ठगी का शिकार बनाते हैं। उन्होंने अपील की कि किसी अज्ञात व्यक्ति के साथ बैंक या निजी जानकारी साझा न करें। मौके पर गांव के ज्यादातर लोग मौजूद रहे।

शराब दुकान में घुसे चोर, कर्मचारी के जागने पर भागे

मीडिया ऑडीटर,बासवा (निप्र)। गांव में शनिवार की दरम्यानी रात चोरों ने शराब दुकान को निशाना बनाने का प्रयास किया। चोरों ने दुकान में लगे टीनशेड की दीवार के स्क्रू खोले और अंदर घुस गए। हालांकि, अंदर आवाज सुनते ही वहां सो रहा कर्मचारी जाग गया और जोर से चिल्लाया। आवाज सुनकर चोर तुरंत मौके से रफूचक्कर हो गए। कर्मचारी ने बताया कि शातिर चोरों ने चोरी से पहले दुकान के लाइट और सीसीटीवी कैमरों के तार काट दिए थे।

सीहोर में पिछले साल से बेहतर बरसा मानसून इस सीजन में 11.10 इंच बारिश दर्ज, आष्टा सबसे आगे, श्यामपुर सबसे पीछे

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में मानसून सक्रिय बना हुआ है। भू-अभिलेख शाखा की दैनिक वर्षा रिपोर्ट के अनुसार, 1 जून से अब तक जिले में औसतन 11.10 इंच बारिश दर्ज की गई है। पिछले वर्ष इसी अवधि में 9.66 इंच वर्षा हुई थी, जिससे इस बार बेहतर बारिश दर्ज की गई है। 24 घंटों के दौरान जिले के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई।

सर्वाधिक 0.24 इंच वर्षा श्यामपुर क्षेत्र में दर्ज की गई। रेहटी में 0.18 इंच और जिला मुख्यालय सीहोर में 0.02 इंच बारिश हुई। आष्टा, जावर, इछावर, भैरूंदा और बुधनी विकासखंडों में इस अवधि में कोई बारिश नहीं हुई। चालू सीजन में अब तक आष्टा विकासखंड में सर्वाधिक 15.75 इंच वर्षा दर्ज हुई है। इसके बाद भैरूंदा में 14.45 इंच, जावर में 12.74 इंच और इछावर में 12.56 इंच बारिश हुई है। वहीं, रेहटी में 9.22 इंच, सीहोर मुख्यालय पर 9.07 इंच और बुधनी में 8.39 इंच वर्षा दर्ज की गई है। जिले में सबसे कम बारिश श्यामपुर क्षेत्र में हुई है, जहां यह आंकड़ा 6.65 इंच है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में जिले में अच्छी बारिश की संभावना जताई है, जिससे वर्षा के आंकड़ों में और वृद्धि होने की उम्मीद है।

रेलवे में नौकरी के नाम पर 4.75 लाख की ठगी युवक से अलग-अलग किस्तों में पैसे मांगे; महिला आरोपी पर केस

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। इटारसी में रेलवे में टीटीई (ट्रैवलिंग टिकट एग्जामिनर) की नौकरी दिलाने का झांसा देकर युवक से 4 लाख 75 हजार रुपए की ठगी हुई। पीड़ित परिवार ने लगभग दो साल तक पैसे वापस मिलने का इंतजार करने के बाद रविवार को इटारसी थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने एक महिला आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में मालवीयगंज निवासी सुरजीत सिंह लोहिया (62) ने बताया कि उनकी पहचान वर्ष 2024 में सोशल मीडिया के जरिए इंदौर निवासी दीक्षा सिसोदिया से हुई थी। महिला ने खुद को सरकारी नौकरियों में भर्ती कराने वाली बताया और शिकायत कर्ता के बेटे मनप्रीत को रेलवे में टीटीई

की नौकरी दिलाने का आश्वासन दिया।

दस्तावेजों की प्रक्रिया के लिए 50 हजार लिए: शिकायत के अनुसार, आरोपी महिला ने सबसे पहले दस्तावेजों की प्रक्रिया पूरी करने के नाम पर 50 हजार रुपए लिए। इसके बाद उसने ई-मेल के जरिए कॉल लेटर भेजा और अलग-अलग किस्तों में और रकम की मांग करती रही। आरोपी ने कुछ दस्तावेज डाक से भेजकर भी पीड़ित परिवार का भरोसा जीता। इस तरह नौकरी की प्रक्रिया आगे बढ़ने का झांसा देकर कुल 4 लाख 75 हजार रुपए ठग लिए गए। आरोपी महिला से पैसे मांगने से टालती रही काफी समय बीतने के बाद भी जब मनप्रीत को नौकरी नहीं मिली, तो परिजनों ने आरोपी महिला से अपने पैसे वापस मांगे। आरोप है कि दीक्षा सिसोदिया हर बार टालमटोल करती रही। लगातार आश्वासन मिलने के बावजूद न तो नौकरी मिली और न ही रकम लौटाई गई। इसके बाद पीड़ित परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराने का फैसला किया। इटारसी थाना पुलिस ने आरोपी पत्नी विकास सिसोदिया, निवासी नंदा नगर रोड, कनाड़िया, इंदौर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4) के तहत अपराध क्रमांक 586/26 दर्ज किया है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और यह भी पता लगा रही है कि आरोपी महिला ने इसी तरह अन्य लोगों को भी नौकरी का झांसा देकर ठगी तो नहीं की है।

एमपी-यूपी बॉर्डर पर ट्रक-बस की भिड़ंत 10 से ज्यादा यात्री घायल; दो की हालत गंभीर, सागर रेफर

मीडिया ऑडीटर, बीना (निप्र)। एमपी-यूपी बॉर्डर पर स्थित पीरघाट पुल पर सोमवार सुबह ट्रक और स्लीपर बस की टक्कर हो गई। हादसे में 10 से अधिक यात्री घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। गंभीर घायलों को सागर जिला अस्पताल रेफर किया गया है। टक्कर से बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। जानकारी के अनुसार, अंबे ट्रेवल्स की बस इंदौर से ललितपुर (उत्तर प्रदेश) जा रही थी। पीरघाट पुल पर सामने से आ रहे एक ट्रक से उसकी टक्कर हो गई। घटना की सूचना मिलते ही भानगढ़ थाने की डायल 112 टीम, जिसमें प्रधान आरक्षक खलक सिंह और पायलट राजधर प्रजापति शामिल थे, मौके पर पहुंची। घायल यात्रियों को बस से सुरक्षित बाहर निकाला खिमलासा की डायल 112 टीम और स्थानीय लोगों की मदद से घायल यात्रियों को बस से सुरक्षित बाहर निकाला गया। घायलों को बीना सिविल अस्पताल पहुंचाया गया है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को हादसे का कारण माना जा रहा है। घायलों को बीना सिविल अस्पताल लाया गया। इनमें ललितपुर निवासी गुड्डी पति मानिकचंद (65) और हरिराम पिता नाथूराम प्रजापति (50) को प्राथमिक इलाज के बाद सागर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। उमा पति अशोक तिवारी (50) निवासी उज्जैन को बीना सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया है। घायल बोले- तेज धमाके के बाद खुली नींद कुछ अन्य घायल यात्री निजी वाहनों से इलाज के लिए अन्य स्थानों पर चले गए।

नर्मदापुरम में पेड़ पर लटका मिला युवक का शव

सुबह ससुराल जाने का कहकर निकला; डिवाईन सिटी में दिव्यांग की संदिग्ध

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम के देहात थाना क्षेत्र में अलग अलग दो मौत की घटनाएं सामने आई हैं। जिसमें एक 25 साल के शादीशुदा युवक का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। जिसमें उसने जिंदगी से तंग आकर आत्महत्या कर ली। दूसरी घटना रविवार देर शाम को डिवाईन सिटी कॉलोनी से सामने आई। जिसमें 55 साल के दिव्यांग का शव घर में संदिग्ध अवस्था में मिला। देहात थाना पुलिस ने मर्ग कायम किया। पुलिस के मुताबिक बुधवाड़ा आगरा के बीच में सड़क किनारे बबूल के पेड़ पर जिस युवक का शव लटका मिला। उसका नाम रामस्वरूप पिता लखन लाल दुलारे (25) निवासी बम्मनगांव है। एएसआई प्रवीण शर्मा ने बताया रामस्वरूप की बुधवाड़ा में ससुराल है। पत्नी उसकी मायके में ही थी। सुबह वो ससुराल जाने का कहकर अपने

घर से निकला, लेकिन पहुंचा नहीं।

सुबह 10 बजे उसका शव सड़क किनारे झाड़ियों में पेड़ पर फांसी के फंदे पर लोगों ने लटका देखा। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची।

घर में अकेला रहता था दिव्यांग: मर्ग का मामला डिवाईन सिटी कॉलोनी का है। जहां मीनासदन मकान नंबर 282 में 55 साल के असित पिता देवनाथ केकड़े अकेले रहते थे। पुलिस के मुताबिक मृतक दिव्यांग थे। उनके भाई महाराष्ट्र में रहते हैं। रविवार को पूरे दिन जब घर में कोई चहल पहल नहीं हुई तो पड़ोसियों को संदेह हुआ। उन्होंने गार्ड को इसकी सूचना दी। शाम 7.30 बजे पड़ोसी और गार्ड ने कांच से अंदर देखा। हाल में मृतक जमीन पर पड़े नजर आए। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। फिर गेट खोलकर अंदर गए। जहां मृत अवस्था में असित केकड़े का शव मिला।

छतरपुर में शराब दुकानों की नीलामी, अधिकांश घाटे में गई:सिर्फ राजनगर समूह फायदे में बिका, प्रस्ताव अब आबकारी कमिश्नर की मंजूरी के लिए भेजे गए

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले में आबकारी विभाग ने दो लाईसेंसी ठेकेदारों द्वारा सरेंडर की गई शराब दुकानों की रविवार को फिर से नीलामी की। इस प्रक्रिया में केवल एक समूह को छोड़कर अधिकांश शराब दुकानें घाटे में नीलाम हुई। नीलामी प्रक्रिया पूरी होने के बाद इसे आबकारी कमिश्नर की स्वीकृति के लिए भेजा गया है। आबकारी विभाग के अनुसार, छतरपुर क्रमांक-1 समूह की नीलामी में परशुराम शिवहरे ने 21 करोड़ 50 लाख रुपए की सर्वाधिक बोली लगाई। छतरपुर क्रमांक-2 समूह के लिए पंकज राय ने 22 करोड़ 25 लाख रुपए की बोली के साथ सफलता हासिल की। चंद्रनगर समूह के लिए गिरराज इंफ्रास्ट्रक्चर ने 2 करोड़ 99 लाख 9 हजार 999 रुपए की बोली लगाई। राजनगर समूह की नीलामी में रवि कुमार द्विवेदी ने 4 करोड़ 81 लाख

रुपए की बोली लगाई। हरपालपुर अंग्रेजी समूह के लिए महाकाल ट्रेडिंग कंपनी ने 1 करोड़ 82 लाख 82 हजार रुपए की बोली लगाई, जबकि हरपालपुर देशी समूह 1 करोड़ रुपए में नीलाम हुआ। खजुराहो समूह की दुकान के लिए रामकुमार शर्मा ने 6 करोड़ 35 लाख रुपए की बोली लगाई और बमीठा समूह की शराब दुकान 9 करोड़ 17 लाख रुपए में रवि द्विवेदी को मिली।

राजनगर समूह की दुकान 15% फायदे में : जानकारों के मुताबिक, केवल राजनगर समूह की दुकान ही लगभग 15 प्रतिशत फायदे में नीलाम हुई। इसके विपरीत, हरपालपुर देशी समूह लगभग 49 प्रतिशत और अंग्रेजी समूह लगभग 40 प्रतिशत घाटे में गए। छतरपुर का नंबर एक समूह 24 प्रतिशत और नंबर दो समूह लगभग 18 प्रतिशत घाटे में रहा। इसी तरह, चंद्रनगर समूह 45 प्रतिशत घाटे में नीलाम हुआ। नीलामी प्रक्रिया संपन्न होने के बाद, संबंधित प्रस्ताव आबकारी कमिश्नर को स्वीकृति हेतु भेजे गए हैं। उनकी मुहर लगते ही नए ठेकेदार इन दुकानों का संचालन शुरू कर देंगे।

इन्हें मिलीं शराब दुकान

- छतरपुर क्रमांक 1 परशुराम शिवहरे 21 करोड़ 50 लाख
- छतरपुर क्रमांक 2 पंकज राय 22 करोड़ 25 लाख
- चंद्रनगर समूह गिरराज इंफ्रास्ट्रक्चर 2 करोड़ 79 लाख 99 हजार 999
- राजनगर समूह रवि कुमार द्विवेदी 4 करोड़ 81 लाख
- हरपालपुर अंग्रेजी महाकाल ट्रेडिंग कंपनी 1 करोड़ 82 लाख 82 हजार
- हरपालपुर देशी अमित अग्रवाल एक करोड़
- खजुराहो रामकुमार शर्मा 6 करोड़ 35 लाख
- बमीठा रवि द्विवेदी 9 करोड़ 17 लाख

अमर्या बजाज ने डच जूनियर ओपन अंडर-13 का खिताब जीता

एम्स्टर्डम ,एजेसीं। भारत के उभरते हुए स्क्वैश खिलाड़ी अमर्या बजाज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए डच जूनियर ओपन अंडर-13 लड़कों का खिताब अपने नाम कर लिया है। बजाज ने फाइनल में इंग्लैंड के डैनियल स्टीवेन्सन सहित कई विश्व-स्तरीय खिलाड़ियों को 3-1 से मात दी। इस युवा भारतीय खिलाड़ी ने चैंपियनशिप तक के सफर में दुनिया के प्रमुख स्क्वैश देशों के खिलाड़ियों को शिकस्त देते हुए अद्भुत संयम, कौशल और मानसिक मजबूती का परिचय दिया। अमर्या बजाज ने पहले दौर में मिस्र के खिलाड़ी पर 3-0 की शानदार जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की थी। दूसरे दौर में इंग्लैंड के अर्लो स्मिथ की कड़ी चुनौती को 3-0 से पार किया। इसके बाद प्री-क्वार्टर फाइनल में सिंगापुर के नंबर 1 खिलाड़ी केलन लो को 3-0 से हराया, जिसके बाद क्वार्टर फाइनल में उन्होंने मिस्र के बद्र हसन पर 3-1 से प्रभावशाली जीत हासिल की थी।

अमर्या के लिए सबसे बड़ी चुनौती सेमीफाइनल में आई, जहां उन्होंने एक उच्च-स्तरीय मुकाबले में हंगरी के एलेक्स कोस्टज्यु को एकतरफा अंदाज में हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। वहां, अमर्या ने एक और बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए शीर्ष वरीयता प्राप्त इंग्लिश खिलाड़ी को हराकर प्रतिष्ठित डच जूनियर ओपन खिताब अपने नाम किया था।

यह जीत चीन में 2026 एशियन जूनियर चैंपियनशिप में अमर्या के सिल्वर मेडल जीतने के कुछ ही हफ्तों बाद मिली है। सिर्फ 13 साल की उम्र में दो एशियन जूनियर मेडल और अब एक प्रमुख यूरोपीय खिताब जीतने के साथ, अमर्या अंतरराष्ट्रीय जूनियर स्क्वैश सर्किट में खुद को स्थापित कर रहे हैं।

उनकी डच जूनियर ओपन जीत न केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि भारतीय स्क्वैश के लिए भी एक बड़ी कामयाबी है। यह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ जूनियर खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने और उन्हें हराने में सक्षम प्रतिभाओं की एक नई पीढ़ी के उदय को उजागर करता है।

जैसे-जैसे अमर्या अंतरराष्ट्रीय मंच पर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, भारतीय स्क्वैश प्रशंसक बड़ी उत्सुकता से देखेंगे कि देश का यह सबसे होनहार युवा खिलाड़ी वैश्विक स्तर पर अपनी छाप कैसे छोड़ता है।

आगामी एकदिवसीय और टेस्ट सीरीज की तैयारी में लगे बुमराह

मुम्बई ,एजेसीं। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह मैदान पर लौट आये हैं। बुमराह को इंग्लैंड दौर पर टी20 सीरीज के लिए शामिल नहीं करते हुए ब्रेक दिया गया है। जिससे वह आने वाली टेस्ट सीरीज और एकदिवसीय विश्वकप के लिए अपनी तैयारी कर सकें। बुमराह का एक वीडियो सोशल मीडिया में आया है जिसमें वह लाल गेंद से अभ्यास करते हुए नजर आ रहे हैं। उनकी मैदान पर वापसी से प्रशंसक भी उत्साहित हैं। उनकी यह वापसी टीम इंडिया के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है, खासकर जब टीम का ध्यान आगामी एकदिवीसीय और टेस्ट सीरीज को देखते हुए रणनीति बना रही है। गौरतलब है कि टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के बाद बुमराह आईपीएल में प्रभावित नहीं कर पाये। उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में भी आराम दिया गया था। अब उनका पूरा ध्यान 14 जुलाई से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज और उसके बाद श्रीलंका दौरे पर होने वाली टेस्ट श्रृंखला की तैयारियों पर है। इसके अलावा, उन्हें एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में भी शामिल किया गया है। बुमराह के लिए इस बार आईपीएल सत्र अच्छा नहीं रहा और वह मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए 13 मैचों में केवल 4 विकेट ले पाये। इसमें उनका औसत 102.50 और इकोनॉमी 8.36 रही। इस दौरान उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1/15 का रहा। यह उनके आईपीएल करियर का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन रहाजिसने उनकी फॉर्म पर सवाल खड़े किए थे। बुमराह ने टी20

विश्व कप 2026 में शानदार वापसी की थी। वह आठ पारियों में 14 विकेट लेकर संयुक्त रूप से टूर्नामेंट के सबसे सफल गेंदबाज रहे थे। इस दौरान उनका औसत 12.42 और इकोनॉमी 6.21 रही। अब लाल गेंद के साथ उनकी वापसी भारत के आगामी व्यस्त टेस्ट कैलेंडर के लिए महत्वपूर्ण है। भारत की दो मैचों की टेस्ट सीरीज 15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ शुरू होगी ।

रवि बिश्नोई के नो-बॉल पर फूटा पूर्व दिग्गज का गुस्सा, स्पिन गेंदबाजी कोच पर साधा निशाना

नई दिल्ली ,एजेसीं। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में रवि बिश्नोई की महंगी गेंदबाजी और लगातार दो नो-बॉल भारत की हार की बड़ी वजह बनी। इस प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम के नए स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले आलोचनाओं के घेरे में आ गए हैं। पूर्व भारतीय लेग स्पिनर लक्ष्मण शिवरामकृष्णन ने बिश्नोई से ज्यादा कोच को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि ऐसी गलती नेट्स में ही सुधारी जानी चाहिए थी।

स्पिनर का नो-बॉल करना अपराध है'

पीटीआई से बातचीत में लक्ष्मण शिवरामकृष्णन ने कहा कि किसी स्पिनर का नो-बॉल फेंकना बेहद गंभीर गलती है। उन्होंने कहा, 'स्पिनर को नो-बॉल नहीं फेंकनी चाहिए।

यह अपराध है। बैक-फुट नो-बॉल, यानी रिटर्न क्रीज काटना, ऐसी चीज है जिसे नेट्स में ही पकड़ लेना चाहिए था। साईराज बहुतुले को सबसे पहले उनके रन-अप पर ध्यान देना चाहिए था। सबसे जरूरी है कि गेंदबाज पहले वैध गेंद डाले, उसके बाद अच्छी गेंद डाले।'

रन-अप पर नहीं हुआ काम

शिवरामकृष्णन का मानना है कि रवि बिश्नोई को इस सीरीज से पहले सही तकनीकी मार्गदर्शन नहीं मिला। उन्होंने कहा कि महान स्पिनर भगवत चंद्रशेखर और अनिल कुंबले जैसे गेंदबाज शायद ही कभी नो-बॉल फेंकते थे। उनका मानना है कि लेग स्पिनरों का इस्तेमाल बचाव के लिए नहीं, बल्कि विकेट लेने के लिए किया जाना चाहिए।

17वें ओवर ने पलट दिया मैच

इंग्लैंड को आखिरी चार ओवर में जीत के लिए 49 रन चाहिए थे। उस समय जैकब बेथेल और सैम करन क्रीज पर थे। रवि बिश्नोई ने 17वें ओवर की पहली ही गेंद नो-बॉल फेंकी, जिस पर बेथेल ने फ्री-हिट पर छक्का जड़ दिया। इसके बाद उन्होंने दूसरी नो-बॉल भी डाल दी और फ्री-हिट पर एक और छक्का खाया। इसी ओवर में बेथेल ने एक चौका और एक और छक्का लगाया। इस तरह बिश्नोई के ओवर से कुल 29 रन आए। उन्होंने अपने चार ओवर में 60 रन खर्च किए।

श्रेयस अय्यर ने भी बताया टर्निंग पॉइंट

मैच के बाद भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी साफ कहा कि रवि बिश्नोई का 17वां ओवर मुकाबले का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ।हालांकि उससे पहले बिश्नोई अपने शुरुआती तीन ओवरों में 31 रन ही दे पाए थे। वहीं, अच्छी गेंदबाजी कर रहे शिवम दुबे से डेथ ओवरों में गेंदबाजी नहीं कराई गई।

शिवरामकृष्णन ने कहा कि यदि उन्हें मौका मिलता है तो वह भारत की सीनियर टीम की बजाय इंडिया-ए या बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में युवा स्पिनरों के साथ काम करना पसंद करेंगे।

जैनिक सिनर ने क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

मोचिजुकी को सीधे सेटों में हराया

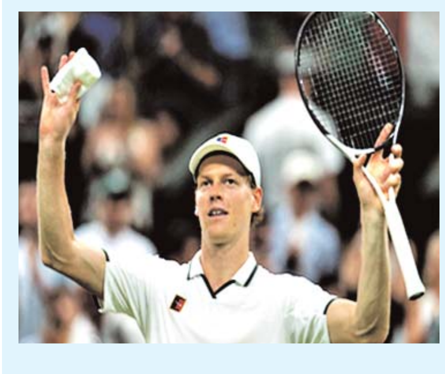

लंदन ,एजेसीं। दुनिया के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने विंबलडन 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान के क्वालिफायर शिंटारो मोचिजुकी को सीधे सेटों में 6-3, 7-6(0), 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। यह लगातार पांचवां मौका है जब सिनर ने विंबलडन के अंतिम आठ का टिकट हासिल किया है। इस जीत के साथ सिनर ओपन एरा में ग्रास कोर्ट मेजर के पांचवें क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले सिर्फ 11वें खिलाड़ी हैं। वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले सक्रिय खिलाड़ियों में केवल सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच के बाद दूसरे खिलाड़ी हैं। मैच की शुरुआत में जापान के शिंटारो मोचिजुकी ने शानदार खेल दिखाया और कुछ मौकों पर सिनर को दबाव में भी डाला। उन्होंने पहले ब्रेक प्वाइंट हासिल किया, लेकिन सिनर ने तुरंत वापसी कर ब्रेक बचा लिया। हालांकि, सिनर ने जल्द ही मोचिजुकी की सर्विस तोड़कर पहले सेट को 6-3 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में मुकाबला काफी रोमांचक रहा। मोचिजुकी ने अपनी सर्विस पर बेहतर नियंत्रण दिखाया और शुरुआती गेम में कोई पॉइंट नहीं गंवाया। उन्होंने लंबे रैलियों में भी सिनर को चुनौती दी। सात-ड्यूस तक गेम पहुंचा और सिनर को ब्रेक के मौके भी मिले, लेकिन वह उन्हें भुना नहीं सके। 4-4 की स्थिति तक मोचिजुकी ने मैच को बराबरी पर बनाए रखा और सिनर को कड़ी टक्कर दी। इस दौरान सिनर थोड़े निराश भी नजर आए, क्योंकि लंबे रैलियों में उन्हें कम सफलता मिल रही थी। मोचिजुकी ने अपने बैकहैंड और डिफेंस से कई शानदार अंक अपने नाम किए। सिनर थोड़ी देर के लिए कोर्ट से बाहर गए और वापसी करने के बाद उनके खेल में अधिक आक्रामकता नजर आई। दूसरे सेट के टाई-ब्रेक में मोचिजुकी ने गलतियां कीं, जिसका फायदा सिनर ने उठाया। उन्होंने टाई-ब्रेक 7-0 से जीतकर मैच पर पूरी पकड़ बना ली। इसके बाद तीसरे सेट में भी उन्होंने लगातार दबाव बनाए रखा और 6-3 से सेट को जीतने के साथ ही मुकाबले को अपने नाम कर लिया। मैच के बाद सिनर ने कहा, 'यह पहली बार था जब हम एक-दूसरे के खिलाफ खेले। मुझे ठीक से नहीं पता था कि क्या उम्मीद करनी है, लेकिन मैंने कुछ परिस्थितियों को उनसे थोड़ा बेहतर तरीके से हैंडल करने की कोशिश की, जो मैंने किया भी। हालांकि, वह एक जबरदस्त खिलाड़ी है। क्वालिफायर से आकर इतने लंबे समय तक इतने ऊंचे स्तर पर खेलना, यह कमाल की बात है।

इंग्लैंड ने कटाया क्वार्टर फाइनल का टिकट रोमांचक मुकाबले में मेक्सिको को 3-2 से हराया

नई दिल्ली ,एजेसीं। इंग्लैंड ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर फाइनल का टिकट कटा लिया है। रोमांच से भरपूर मुकाबले में इंग्लिश टीम ने मेक्सिको को 3-2 से हराया। इस हार के साथ ही मेक्सिको का विश्व कप में सफर समाप्त हो गया है। इंग्लैंड की ओर से इस अहम मुकाबले में जूड बेलिंगहम ने दो गोल दागे। वहीं, कप्तान हैरी केन ने भी एक गोल किया। मेक्सिको की तरफ से क्विनोन्स और राउल जिमिनेज ने एक-एक गोल किया। खराब मौसम के कारण देरी से शुरू हुए मैच की शुरुआत दोनों ही टीमों की तरफ से बेहद आक्रामक रही। इंग्लैंड और मेक्सिको की तरफ से लगातार हमले किए गए। इंग्लैंड की टीम मुकाबले का पहला गोल करने में सफल रही। मैच के 36वें मिनट में जूड बेलिंगहम ने टीम की ओर से पहला गोल दागा। इसके बाद मैच के 38वें मिनट में बेलिंगहम ने इंग्लैंड की बढ़त को जल्द ही दोगुना कर दिया। दोनों गोलों के बीच अंतर सिर्फ 98 सेकंड का रहा। हालांकि, मेक्सिको ने जल्द ही मुकाबले में वापसी की। टीम की ओर से क्विनोन्स ने मैच के 42वें मिनट में मेक्सिको के लिए पहला गोल किया। हालांकि, पहले हाफ के अंत तक इंग्लैंड 2-1 की बढ़त कायम रखने में सफल रहा। दूसरे हाफ की शुरुआत में ही इंग्लैंड को उस वक्त बड़ा झटका लगा, जब इंग्लैंड के खिलाड़ी जारेल क्वान्सा को जीसस गैलार्डो को गलत तरीके से चैलेंज करने के कारण रेफरी ने रेड कार्ड थमा दिया। क्वान्सा फीफा वर्ल्ड कप इतिहास में रेड कार्ड पाने वाले चौथे इंग्लिश खिलाड़ी बने। हालांकि, इसके बाद इंग्लैंड को बचे हुए मुकाबले में 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा। मैच के 60वें मिनट में मेक्सिको के गोलकीपर राउल रेंजेल ने पेनल्टी बॉक्स में एंथनी गॉर्डन को गिरा दिया, जिसके बाद इंग्लैंड को पेनल्टी दी गई। इस पेनल्टी का पूरा फायदा उठाते हुए हैरी केन ने इस विश्व कप में अपना छठा गोल किया और टीम की बढ़त को 3-1 कर दिया। मैच के 69वें मिनट में इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ब्रायन गुटिरेज को रोकने के प्रयास में फाउल कर बैठे।

भारत के लिए 'करो या मरो' का मुकाबला

नॉटिंघम ,एजेसीं। : मंगलवार को ट्रेंट ब्रिज में होने वाले तीसरे टी20 में भारत के सामने इंग्लैंड के खिलाफ 'करो या मरो' की चुनौती है। मेहमान टीम पांच मैचों की सीरीज में बराबरी करने की कोशिश करेगी, क्योंकि मेजबान टीम ने मैनचेस्टर में शानदार तरीके से लक्ष्य का पीछा करते हुए 1-0 की बढ़त बना ली है। चेस्टर-ली-स्ट्रीट में पहला मैच बारिश की भेंट चढ़ने के बाद दूसरे टी 20 में इंग्लैंड ने 191 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चार विकेट शेष रहते जीत हासिल की और सीरीज पर मजबूत पकड़ बना ली। इस हार ने एक अच्छा स्कोर बचाने में भारत की अक्षमता को उजागर किया और श्रेयस अय्यर की युवा टीम पर दबाव बढ़ा दिया। पिछले मैच में जैकब बेथेल की 46 गेंदों में तूफानी 76 रन की पारी और हैरी ब्रूक की सिर्फ 15 गेंदों में विस्फोटक 39 रन की पारी से इंग्लैंड का आत्मविश्वास बढ़ा हुआ है। सैम करन (3/33) ने अनुशासित गेंदबाजी की, जबकि जोफ्रा आर्चर की तेज गेंदबाजी और आदिल राशिद की चतुराई इंग्लैंड को घरेलू परिस्थितियों में एक मजबूत टीम बनाती है। भारत के लिए चिंता का विषय बल्लेबाजी नहीं, बल्कि गेंदबाजी है। मेहमान टीम ने मैनचेस्टर में 190/7 का मजबूत स्कोर बनाया, जिसमें अभिषेक शर्मा ने 24 गेंदों में 43 रन बनाकर अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी, ईशान किशन ने 49 रन बनाकर पारी को संभाला और कप्तान अय्यर ने 37 रन का योगदान दिया। 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने भी अपने डेब्यू मैच में दो शानदार छक्के लगाकर अपनी जबरदस्त क्षमता की झलक दिखाई। मजबूत बल्लेबाजी के बावजूद भारतीय गेंदबाज शुरुआती सफलता का फायदा उठाने में नाकाम रहे। अर्शदीप सिंह ने तीन विकेट लिए, जबकि अक्षर पटेल ने किफायती गेंदबाजी से प्रभावित किया, लेकिन गेंदबाजी में निरंतरता की कमी रही और इंग्लैंड ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया।

विराट अभी भी टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने में सक्षम : कपिल

चंडीगढ़ ,एजेसीं। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव का मानना है कि विराट कोहली को टेस्ट क्रिकेट खेलते रहना था। कपिल के अनुसार विराट का समय से पहले इस प्रारुप से संन्यास का फैसला सही नहीं था। उन्होंने कहा कि वह विराट के इस कदम से बिल्कुल भी खुश नहीं थे। साथ ही कहा कि कोहली अभी भी टेस्ट क्रिकेट खेलने और भारतीय टीम में वापसी करने की पूरी क्षमता मौजूद थी। कपिल ने इस बात पर जोर दिया कि उनके लिए यह मायने नहीं रखता कि विराट 10 हजार टेस्ट रन पूरे करते या नहीं। उनका मानना है कि अगर विराट कुछ समय तक धैर्य दिखाते और अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखते, तो वह निश्चित रूप से दोबारा भारतीय टेस्ट टीम में जगह बना सकते थे।

कपिल देव ने कहा, मैं विराट के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के फैसले से सहमत नहीं था। यह 10 हजार रन या किसी रिकॉर्ड की बात नहीं थी। मुझे लगता है कि अगर वह छह महीने तक धैर्य रखते और गुस्से में प्रतिक्रिया नहीं देते तो उनके पास टीम इंडिया में वापसी का पूरा अवसर था। कपिल ने साथ ही कहा कि किसी भी खिलाड़ी के करियर में उतार-चढ़ाव आना स्वाभाविक है। उनका मानना था कि अगर चयनकर्ता या कप्तान उन्हें मौका नहीं दे रहे थे, तो उन्हें हार मानकर संन्यास लेने की जगह पर घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रन बनाकर अपनी जगह दोबारा हासिल करनी चाहिए थी। उन्होंने विश्वास जताया, अगर सेलेक्टर उन्हें नहीं चुनते तो भी कोई बात नहीं थी। अगर कप्तान टीम में जगह नहीं देता तो भी कोई समस्या नहीं थी। उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलकर रन बनाने चाहिए थे।

ब्राजील के विश्वकप से बाहर होने से निराश नेमार ने संन्यास लिया

न्यूजर्सी ,एजेसीं। ब्राजील के फीफा विश्व कप 2026 फुटबॉलर टूर्नामेंट से बाहर होने से निराश स्टार स्ट्राइकर नेमार ने खेल को ही अलविदा कह दिया है। पांच बार की विजेता ब्राजील इस बार उम्मीद के अनुसार नहीं खेल पायी और उसे नॉर्वे के खिलाफ राउंड ऑफ 16 के निर्णायक मुकाबले में 2-1 से हार का सामना करना पड़ा। इससे ब्राजील का छठी बार खिताब जीतने का सपना टूट गया। इस अप्रत्याशित हार के साथ ही नेमार का शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर भी अचानक ही समाप्त हो गया। इस स्टार खिलाड़ी के संन्यास से जहां फुटबॉल जगत हैरान हैं वहीं नेमार के प्रशंसक भी हताश नजर आये। हार के बाद नेमार काफी भावुक नजर आए, जिस स्टेडियम से उन्होंने ब्राजील के लिए अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। अब वहीं से अपने करियर को अलविदा कह दिया। मैच के बाद उन्होंने कहा, मैंने प्रयास किया पर

अब अवसर नहीं है। मैंने यहीं से शुरुआत की थी और यहीं इसे खत्म कर दिया। उनका ये बयान गहरी निराशा और ब्राजील के लिए विश्व कप जीतने के अधूरे सपने को दिखाता है। वह पिछले कुछ समय से लगातार चोटों से जूझ रहे थे जो उनके संन्यास का एक बड़ा कारण बना है। गौरतलब है क नेमार का अंतरराष्ट्रीय सफर साल 2010 में मेटलाइफ स्टेडियम में अमेरिका के खिलाफ ब्राजील की ओर से डेब्यू के साथ शुरू हुआ था।

राम मंदिर 'चोरी' मामले पर अखिलेश यादव की आवाज से हुआ खुलासा : शिव सिंह

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अयोध्या राम मंदिर से जुड़े कथित चोरी मामले को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं अधिवक्ता शिव सिंह ने केंद्र सरकार और भाजपा-आरएसएस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यदि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव इस मुद्दे पर आवाज नहीं उठाते तो इस 'दुनिया की सबसे बड़ी चोरी' का खुलासा नहीं हो पाता।

शिव सिंह ने आरोप लगाया कि जिस धार्मिक स्थल को लेकर करोड़ों लोगों की आस्था जुड़ी है, उसे भाजपा और आरएसएस ने राजनीति का केंद्र बनाकर सत्ता हासिल करने का माध्यम बनाया। उन्होंने कहा कि उन्हीं के कार्यकाल में यह गंभीर घटना घटी है, जिस पर सरकार मौन है।

उन्होंने प्रधानमंत्री पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि राम मंदिर निर्माण से लेकर उसके शुभारंभ तक जिनकी प्रमुख उपस्थिति रही, वही इस कथित घटना पर चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने इसे करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था पर चोट बताया शिव सिंह ने आरोप लगाया कि देश की सत्ता में बैठे लोग और धार्मिक संस्थानों से जुड़े कुछ लोग मिलकर गलत कार्यों में लिप्त हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान स्थिति 'चोर-चोर मौसेरे भाई' जैसी प्रतीत होती है। उन्होंने यह भी दावा किया कि यदि इस मुद्दे पर जनता समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की आवाज को मजबूती से समर्थन दे तो आगे कई बड़े मामलों का खुलासा संभव है उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि सच्चाई सामने आना आवश्यक है ताकि दोषियों पर कार्रवाई हो सके।

स्वरोजगार योजनाओं के शत.प्रतिशत लक्ष्य 31 अक्टूबर तक पूरे करें

सीएम हेल्पलाइन में 10 जुलाई तक 80 से अधिक वेटेज स्कोर प्राप्त करें : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने टीएल पत्रों तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करके विभाग की ग्रेडिंग में सुधार करें। सभी विभाग 10 जुलाई तक कम से कम 80 वेटेज स्कोर प्राप्त करें। राजस्वए ग्रामीण विकास विभागए श्रमए सूचना प्रौद्योगिकीए खाद्यए नगरीय निकायए स्वास्थ्य विभागए गृह विभागए ऊर्जा विभाग तथा पीएचई आवेदन पत्रों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। इसी तरह जनसुनवाई में प्राप्त आवेदन पत्रों का 7 दिन की समय सीमा में निराकरण करके ऑनलाइन प्रतिवेदन दर्ज कराएं। समय पर आवेदनों में कार्यवाही न करने वालों पर जुर्माना लगाया जाएगा कलेक्टर ने कहा कि स्वरोजगार योजनाओं से जुड़े विभागों के अधिकारी योजनाओं के लक्ष्यों के अनुसार 125 प्रतिशत प्रकरण 31 अगस्त तक बैंकों में शत.प्रतिशत दर्ज कराएं। बैंकों से नियमित संपर्क करके इनका सितम्बर माह में निराकरण कराकर सभी योजनाओं में 31 अक्टूबर तक शत.प्रतिशत वितरण सुनिश्चित कराएं अभियान चलाकर पात्र हितग्राहियों के आवेदन पत्र भरवाएं सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रकरण बैंक में दर्ज करें अग्रणी बैंक प्रबंधक 15 दिन की समय सीमा में ऋण प्रकरणों का निराकरण कराएं। इसके साथ.साथ सभी अधिकारी कलेक्टर्स कान्फ्रेंस के विभागीय एजेण्डा बिन्दुओं में की गई कार्यवाही की भी दो दिवस में जानकारी प्रस्तुत करें इसमें किसी भी तरह की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी बैठक में कलेक्टर ने कहा कि सभी फाइलें और लेटर अब केवल ई आफिस से ही स्वीकार होंगी सभी जिला स्तरीय अधिकारी अपने तहसील और विकासखण्ड कार्यालयों में भी ई आफिस व्यवस्था लागू कराएं। ई आफिस में प्राप्त फाइलों पर कार्यवाही करके उन्हें अधीनस्थ अमले के माध्यम से पार्क कराएं। कार्यालय की साफसफाई पर विशेष ध्यान दें कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित विभागों के कार्यालय प्रमुख प्रतिदिन डस्टबिन में कचरा संकलित कराकर उसको नगर निगम के कचरा वाहन में भेजें भूमि आवंटन के लंबित प्रस्तावों के संबंध में सभी एसडीएम दो दिवस में प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। संबंधित विभाग भी आवंटन के संबंध में पूरी जानकारी प्रस्तुत करें अनुकंपा नियुक्ति के लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए रिक्त पदों की जानकारी तीन दिवस में उपलब्ध कराएं अपर कलेक्टर जुलाई माह में सभी लंबित अनुकंपा नियुक्ति प्रकरणों का निराकरण कराएं कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी संवेदनशीलता और तत्परता से शासकीय कार्य करें राजस्व अधिकारियों ने पिछले दो माह में राजस्व प्रकरणों और आवेदनों के निराकरण में सराहनीय कार्य किया है।

भाकपा जिला परिषद की बैठक में संगठन विस्तार और जनआंदोलनों की रणनीति तय

सदस्यता अभियान, पदयात्रा, दिल्ली रैली और महिला फेडरेशन के कार्यक्रमों में रीवा की सक्रिय भागीदारी पर जोर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) की जिला परिषद की महत्वपूर्ण बैठक सोमवार को मानस भवन, रीवा में आयोजित हुई। बैठक में संगठन के विस्तार, सदस्यता अभियान आगामी जनआंदोलनों तथा जिले और देश के समसामयिक सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई बैठक में जिला परिषद के सभी सदस्य उपस्थित रहे बैठक के मुख्य अतिथि पार्टी के राज्य सह सचिव एवं राष्ट्रीय परिषद सदस्य कामरेड हरिद्वार सिंह तथा विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत सदस्य (वार्ड क्रमांक-15) एवं राज्य परिषद सदस्य कामरेड लालमणि त्रिपाठी रहे। बैठक की अध्यक्षता जिला परिषद अध्यक्ष कामरेड शुरभी मिश्रा ने की बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करते हुए आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई सदस्यता अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने तथा 6 अगस्त से 15 अगस्त 2026 तक प्रस्तावित पदयात्रा को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। इसके साथ ही 1 सितम्बर 2026 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाली विशाल रैली में रीवा जिले की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया बैठक में भारतीय महिला फेडरेशन द्वारा 21 जुलाई को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर आयोजित धरना-प्रदर्शन में मध्य प्रदेश को आवंटित 30 महिला प्रतिनिधियों के कोटे में रीवा जिले की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने पर भी सहमति बनी। वहीं 29 जुलाई को नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में संयुक्त ट्रेड यूनियनों एवं संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कन्वेंशन में जिले के किसानों, मजदूरों एवं जनसंगठनों की बड़ी भागीदारी सुनिश्चित करने की रणनीति भी तैयार की गई बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, जनसंगठनों के विस्तार तथा विभिन्न जनहित के मुद्दों पर संघर्ष तेज करने का संकल्प लिया गया इस अवसर पर जिला सचिव गया प्रसाद मिश्रा, हरिश्चंद्र पाण्डेय, सत्यनारायण शुक्ला, रामानुज तिवारी, लालजी पाण्डेय, अधिवक्ता अरुणा पटेल, प्रेमलाल नामदेव, मोतीलाल शुक्ला, अधिवक्ता नीरज कुशवाहा, सीताराम तिवारी, पंकज नामदेव, अधिवक्ता प्राची सिंह, अधिवक्ता प्रिया शुक्ला सहित जिला परिषद के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

सिरमौर पुलिस ने शातिर बाइक चोर को दबोचा, 6 लाख की पांच चोरी की मोटरसाइकिल बरामद

आरोपी को न्यायालय में पेश कर भेजा गया जेल, कई राज्यों के पंजीयन वाले वाहन जब्त

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सिरमौर थाना पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के मामलों में बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब छह लाख रुपये मूल्य की पांच चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की हैं आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान ओझा कोल (40) पिता गणेश कोल, निवासी ग्राम कोचरी, थाना सिरमौर, जिला रीवा के रूप में हुई है थाना प्रभारी दीपक तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया और पूछताछ के दौरान उसके कब्जे से चोरी की पांच मोटरसाइकिलें बरामद कीं बरामद वाहनों में एचएफ डीलक्स (क्रमांक एमपी-17-एमडब्ल्यू-1065), पल्सर 220 (यूपी-70-एचए-3570), अपाचे (बीआर-24-एजे-2439), राइडर (यूपी-70-एचडब्ल्यू-7215) तथा हीरो स्प्लेंडर (यूपी-70-एचवाई-0484) शामिल हैं इन वाहनों की अनुमानित कुल कीमत करीब छह लाख रुपये बताई गई है पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इन वाहनों की चोरी किन-किन क्षेत्रों से की गई थी और आरोपी का किसी संगठित वाहन चोरी गिरोह से संबंध है या नहीं इस कार्रवाई में थाना प्रभारी दीपक तिवारी के नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक प्यारेलाल वर्मा तथा आरक्षक कैलाश सोलंकी, वीपेंद्र कुशवाहा, अजय चौहान, राहुल चौहान, रावेंद्र सिंह और चेतन की महत्वपूर्ण भूमिका रही पुलिस अधिकारियों ने टीम की तत्परता और प्रभावी कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि जिले में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

रोजगार मेला 15 जुलाई को

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। युवा संगम कार्यक्रम के तहत महारानी लक्ष्मीबाई कॉलेज आफटेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी रोड इटौरा बाईपास रीवा 15 जुलाई को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक वृहद रोजगार मेला आयोजित किया जायेगा रोजगार मेले में जिले के बेरोजगार युवक.युवतियों को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे रोजगार मेले में 20 कंपनियों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों में युवक एवं युवतियों की आयु सीमा तथा शैक्षणिक योग्यता अलग.अलग निर्धारित की गई है वेतन एवं भत्ते 12 हजार रुपए से 25 हजार रुपए तक निर्धारित किया गया है वेतन एवं भत्ता विभिन्न कंपनियों में अलग.अलग देय होगा युवाओ को अपने साथ समग्र आईडीए मूल अंकसूचीए निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रतिए आधार कार्ड या वोटर आईडीए रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा।

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने शोक संतप्त परिवारों को दी सांत्वना

कपसा और फूलदेवास पहुंचकर दी श्रद्धांजलि, दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए की प्रार्थना

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने रविवार को वरिष्ठ समाजसेवी प्रदीप सोहगौरा के निधन पर उनके गृह ग्राम कपसा पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की उन्होंने दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान देने की ईश्वर से प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवारजनों से भेंट कर उन्हें सांत्वना प्रदान की उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदीप सोहगौरा का सामाजिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान रहा है और उनका निधन समाज के लिए अपूरणीय क्षति है उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में धैर्य एवं संबल प्राप्त हो इसके पश्चात उप मुख्यमंत्री शुक्ल मऊगंज विधायक प्रदीप पटेल की पूजनीय माताजी स्व. मती फूलवती पटेल के निधन पर उनके निवास ग्राम फूलदेवास पहुंचे यहां उन्होंने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक व्यक्त किया उन्होंने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि इस दुख की घड़ी में सरकार और समाज दोनों परिवार के साथ खड़े हैं उप मुख्यमंत्री ने दोनों दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

विस्थापितों के पुनर्वास और जलभराव को लेकर 8 जुलाई को संभागीय आयुक्त कार्यालय का घेराव

रीवा न्याय मंच ने प्रशासन से शीघ्र समाधान की मांग की, नागरिकों से आंदोलन में शामिल होने की अपील

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर में विस्थापित परिवारों के पुनर्वास और लगातार बढ़ रही जलभराव की समस्या को लेकर रीवा न्याय मंच ने 8 जुलाई को संभागीय आयुक्त कार्यालय के घेराव का ऐलान किया है इस संबंध में मंच के जिला संयोजक राहुल वर्मा के नेतृत्व में आयोजित प्रेस वार्ता में आंदोलन की रूपरेखा और दोनों जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया प्रेस वार्ता में वक्ताओं ने कहा कि शहर की विभिन्न बस्तियों से विस्थापित किए गए सैकड़ों परिवार आज आवास रोजगार और बच्चों की शिक्षा जैसी मूलभूत समस्याओं से जूझ रहे हैं उनका कहना था कि इनमें से कई परिवार 40 से 50 वर्षों से संबंधित क्षेत्रों में निवास कर रहे थे उन्होंने प्रशासन से मांग की कि सभी प्रभावित परिवारों का सर्वे कराया जाए तथा उन्हें नियमानुसार उचित मुआवजा या वैकल्पिक आवास उपलब्ध कराया जाए ताकि कोई भी परिवार बेघर न रहे मंच के पदाधिकारियों ने शहर में जलभराव की बढ़ती समस्या पर भी चिंता जताई उनका कहना था कि हल्की बारिश में ही कई सड़कें और कॉलोनियां जलमग्न हो जाती हैं नालियों के अभाव और जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से आम लोगों को आवागमन स्वास्थ्य और दैनिक जीवन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है उन्होंने स्थायी जल निकासी व्यवस्था विकसित करने आवश्यक नालियों का निर्माण कराने तथा जलभराव वाले क्षेत्रों में तत्काल सुधारात्मक कार्य शुरू करने की मांग की रीवा न्याय मंच ने बताया कि इन दोनों जनहित के मुद्दों पर प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के लिए 8 जुलाई को स्वामी विवेकानंद पार्क से संभागीय आयुक्त कार्यालय तक पैदल मार्च निकालकर कार्यालय का घेराव किया जाएगा मंच ने नागरिकों सामाजिक संगठनों युवाओं और विभिन्न वर्गों से आंदोलन में बड़ी संख्या में शामिल होकर समर्थन देने की अपील की प्रेस वार्ता में समाजसेवी अविराज, न्याय मंच के संभागीय संयोजक अभय वर्मा, जिला संयोजक राहुल वर्मा, ओबीसी महासभा के जिला अध्यक्ष छोटेलाल रजक तथा सत्येंद्र सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मऊगंज में कथित MD ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़,4 गिरफ्तार करोड़ों का संदिग्ध माल जब्त, नेटवर्क की जांच जारी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्य प्रदेश के रीवा जोन में नशे के कारोबार के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मऊगंज जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बिझौली गांव में एक कथित MD ड्रग्स निर्माण इकाई का भंडाफोड़ किया है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने संदिग्ध MD ड्रग्स, रासायनिक पदार्थ, एसिड, ड्रग्स बनाने के उपकरण और एक लग्जरी चार पहिया वाहन जब्त किया हैमामले में चार लोगों को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है ।

मुखबिर की सूचना पर हुई बड़ी कार्रवाई: पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई रीवा जोन के आईजी गौरव राजपूत के निर्देशन में मऊगंज एसपी एस.के. जैन और एसडीओपी सची पाठक के नेतृत्व में की गई मुखबिर से सूचना मिलने के बाद भारी पुलिस बल के साथ शाहपुर थाना क्षेत्र के बिझौली गांव में छापेमारी की गई, जहां कथित तौर पर अवैध रूप से MD ड्रग्स तैयार की जा रही थी छापेमारी के दौरान पुलिस ने बड़ी मात्रा में संदिग्ध MD ड्रग्स, विभिन्न रसायन, एसिड, ड्रग्स निर्माण में इस्तेमाल होने वाले उपकरण और एक लग्जरी वाहन जब्त किया। जब्त सामग्री की वास्तविक प्रकृति और मात्रा की पुष्टि फॉरेंसिक जांच एवं आगे की जांच के बाद ही होगी।

मुंबई तक सप्लाई की आशंका, जांच जारी: प्रारंभिक जांच के आधार पर पुलिस को संदेह है कि यहां तैयार होने वाली कथित ड्रग्स की सप्लाई रीवा के रास्ते मुंबई तक की जाती थी। हालांकि पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सप्लाई नेटवर्क, बरामद माल की कीमत और अन्य राज्यों से जुड़े संभावित संबंधों की पुष्टि विस्तृत जांच पूरी होने के बाद ही की जाएगी फिलहाल पुलिस पूरे नेटवर्क, सप्लाई चेन और इसमें शामिल अन्य संभावित आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है गिरफ्तार आरोपियों से एनडीपीएस एक्ट के तहत पूछताछ और कानूनी कार्रवाई जारी है।

पुलिस मुख्यालय ने की कार्रवाई की सराहना: प्रदेश पुलिस प्रमुख ने इस कार्रवाई की सराहना करते हुए रीवा जोन के आईजी, मऊगंज पुलिस अधीक्षक और पूरी टीम की प्रशंसा की है आईजी गौरव राजपूत ने भी कार्रवाई में शामिल पुलिसकर्मियों को पुरस्कृत किए जाने की बात कही है।

नीमच और राजस्थान से जुड़े मामले का भी उल्लेख: इसी बीच, मध्य प्रदेश में ड्रग्स के खिलाफ चल रही कार्रवाई के संदर्भ में एक अन्य मामला भी चर्चा में है राजस्थान के झालावाड़ जिले के डग थाना क्षेत्र में जनवरी 2026 में हुई एक कार्रवाई को लेकर चौमहला कोर्ट के आदेश के बाद लगभग 100 ज्ञात और अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है इसमें मध्य प्रदेश के कुछ पुलिस अधिकारियों के नाम भी शामिल हैं इस मामले की जांच संबंधित एजेंसियों द्वारा की जा रही है और अभी आरोपों पर अंतिम निष्कर्ष आना बाकी है मऊगंज में हुई यह कार्रवाई मध्य प्रदेश में नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की महत्वपूर्ण कड़ी मानी जा रही है हालांकि बरामद सामग्री की प्रकृति उसकी कीमत कथित सप्लाई नेटवर्क और अन्य आरोपियों की भूमिका जैसे कई पहलुओं की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की निष्पक्ष और विस्तृत जांच जारी है।

विंध्य पूर्व सैनिक कल्याण संगठन रीवा की नई कार्यकारिणी निर्विरोध घोषित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विंध्य पूर्व सैनिक कल्याण संगठन, रीवा की नवीन कार्यकारिणी के गठन हेतु निर्धारित निर्वाचन प्रक्रिया 05 जुलाई 2026 को पूर्ण गरिमा, पारदर्शिता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप संपन्न हुई इस प्रक्रिया में 7 सदस्यीय नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से निर्वाचन किया गया जानकारी के अनुसार 28 जून 2026 को आयोजित आम बैठक में संगठन के सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया था कि नई कार्यकारिणी का गठन निर्वाचन प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा इसके पश्चात 03 जुलाई 2026 को नामांकन प्रक्रिया विधिवत रूप से पूरी की गई निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार निर्वाचन से पूर्व कुछ सदस्यों द्वारा तिथि को लेकर विचार व्यक्त किए गए, जिस पर उपस्थित सदस्यों के बीच लोकतांत्रिक परंपरा के अनुरूप विस्तृत चर्चा हुई। चर्चा के उपरांत बहुमत के आधार पर निर्णय लिया गया कि संगठन की निरंतरता को ध्यान में रखते हुए निर्वाचन उसी दिन संपन्न कराया जाए सभी सदस्यों ने इस निर्णय का सम्मान किया इसके बाद निर्वाचन टीम द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया अपनाते हुए चुनाव संपन्न कराया गया परिणामस्वरूप सभी 7 सदस्य निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए निर्वाचन उपरांत सभी को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए तथा संगठन की गरिमा और उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए शुभकामनाएं दी गईं संगठन ने सभी सदस्यों एवं निर्वाचन टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रक्रिया ने संगठन की एकता अनुशासन और लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त रूप से प्रदर्शित किया है नवगठित कार्यकारिणी से पूर्व सैनिकों वीर नारियों एवं उनके परिवारों के हितों की रक्षा एवं सेवा में सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा व्यक्त की गई है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।